जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू
Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 321 प्रभात चूरू, गुरुवार 23 मार्च, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

खाली हाथ लौटे चीन के राष्ट्रपति रूस की यात्रा से!

यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए उनका प्रस्ताव, यूक्रेन, अमेरिका, यूरोपियन यूनियन ने एक सिरे से पूर्णतया अस्वीकार किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22मार्च। मध्य-पूर्व में ईरान और सऊदी अरब के बीच एक दीर्घकालीन विरोध को हल करने में कूटनीतिक सफलता प्राप्त कर फूले नहीं समा रहे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मॉस्को दौरे को लेकर माना जा रहा था कि वह वहां भी ऐसी ही सफलता प्राप्त करेंगे।

यूक्रेन युद्ध जब से शुरु हुआ है, रूस कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ने के बाद चीन पर लगातार निर्भर रहा है।

इसके भारत के लिए भी मायने हो सकते हैं क्योंकि विश्व में कहीं भी चीन के हितों को लेकर होने वाले किसी भी संघर्ष में बीजिंग का समर्थन करने में रूस का आधिकाधिक झुकाव रहेगा। चीन इसके बदले में भारत के साथ लगती अपनी सीमा पर कलह बढ़ाने में अधिक सक्रिय होगा और इस प्रकार वह अपनी गिरी हुई घरेलू स्थिति से विश्व का ध्यान डायवर्ट कर सकेगा।

- यूक्रेन ने कहा, चीन का शांति प्रस्ताव रूस के आक्रमण को उचित ठहराने का प्रयास है। तथा, रूस द्वारा यूक्रेन की भूमि को हथियाने को ''लैजिटमाइज़'' कराने का प्रयास है।
- रूस ने अपनी मध्यस्थता से सऊदी अरब व ईरान की पुरानी दुश्मनी खत्म करायी है, अतः विश्व को काफी आशा थी कि, चीन, रूस व यूक्रेन के बीच भी शांति स्थापित करवायेगा, पर, राष्ट्रपति शी की रूस यात्रा, इस मामले में पूर्णतया निराशाजनक रही।
- इसी निराशा के कारण, रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कटाक्ष किया, चीन केवल अपना खुद का मित्र है, किसी और का मित्र नहीं हो सकता।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात को लेकर शी के बहुप्रचारित मॉस्को दौरे की पृष्ठभूमि में चीन ने यूक्रेन में शांति स्थापना के लिए एक कूटनीतिक पेपर प्रकाशित किया था। शी के मॉस्को दौरे के संदर्भ में पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया था कि यूक्रेन संकट को हल करने में चीन के प्रस्ताव अहम होंगे।

तथापि, चीन के प्रस्तावों को कहीं से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और खासतौर पर, यूक्रेन से तो बिल्कुल भी नहीं। यूक्रेन ने इनके प्रकाशन के साथ ही इनकी यह कहकर आलोचना की थी कि चीन का पेपर सिर्फ रूस की स्थिति मजबूत करने के लिए है। आलोचना इस बात को लेकर थी कि पेपर में यह उल्लेख किए बिना युद्ध विराम का आ ान किया गया है कि रूस के सैनिकों को यूक्रेन के क्षेत्र से बाहर चले जाना चाहिए।

यूरोपीयन यूनियन ने चीन के प्रस्तावों पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी और उन्हें खारिज कर दिया। उसने कहा कि इनका उद्देश्य यूक्रेन में भूमि पर कब्जा करने के रूस के इरादों को और मजबूत करना भर है। इसी तरह, अमेरिका ने यह कहते हुए इन्हें खारिज कर दिया कि युद्ध विराम की चीन की घोषणा का उद्देश्य रूस को पुर्नसंगठित होने और अपना आक्रमण पुनः शुरु करने के लिये समय उपलब्ध करवाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्रूड ऑयल सस्ता हो रहा है, पर पैट्रोल, डीज़ल के दाम सिर्फ बढ़ रहे हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22मार्च। कांग्रेस प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ ने कहा है कि मोदी सरकार में ईंधन की गतिशील कीमतें बिल्कुल ऐसी है ''मानो चित हम जीते, पट तुम हारे।'' उन्होंने कहा कि ईंधन के कीमत-निर्धारण की नीति के तहत, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जब-जब कच्चे तेल की कीमतें गिरती हैं तो उसका लाभ अंतिम/मूल उपभोक्ता को नहीं होता।

- कांग्रेस की तरफ से पार्टी प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ ने पूछा कि, पैट्रोल, डीज़ल के दाम गतिशील हैं, पर ये लगातार चढ़ क्यों रहे हैं, कभी घटते क्यों नहीं।

गौरव ने कहा, ''हम एक्साइज ड्यूटी को कम करने के लिये नहीं कह रहे है, जो पैट्रोल के मामले में मई, 2014 की 9.2 रू. लीटर से अब 19.9 रू. लीटर हो गई है तथा डीज़ल की एक्साइज ड्यूटी 3.46 रू. से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने पलटवार किया ब्रिटेन पर

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22मार्च। भारत सरकार ने नई दिल्ली में ब्रिटिश हाई कमीशन तथा ब्रिटिश हाई कमिश्नर के आवास के बाहर के सुरक्षा बैरियर्स हटा दिये हैं। सरकार की इस कार्यवाही को बदले की कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है।

रविवार को, लंदन-स्थित भारतीय उच्चायोग पर लगा भारतीय झंडा किसी खालिस्तान-समर्थक प्रदर्शनकारी ने हटा दिया था। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप, भारत सरकार ने भारत में ब्रिटेन के डिप्टी हाई कमिश्नर को तलब किया था तथा लंदन की उस घटना को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया था। भारतीय अधिकारियों ने भी ब्रिटिश सरकार पर कूटनीतिक परिसरों की सुरक्षा के प्रति ''उदासीनता'' बरतने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय ने इस ''जैसे को तैसे'' कदम पर कोई अधिकृत प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने भी ''सुरक्षा संबंधी मामलों''

- नई दिल्ली स्थित ब्रिटेन के हाई कमिशन कॉम्पलैक्स से सुरक्षा वापस ली।
- जैसा कि विदित ही है, लंदन में भारतीय कमिश्नर के कॉम्प्लैक्स पर खालिस्तान समर्थकों ने तोड़-फोड़ की तथा भारत का झण्डा उतार कर खालिस्तान का झण्डा फहरा दिया था।
- भारत इस कृत्य को ब्रिटेन की प्रशासनिक शिथिलता तथा हाई कमिशन परिसर की सुरक्षा की ओर पर्याप्त ध्यान न देना मानता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र में मु.मंत्री व पूर्व मु.मंत्री एक दूसरे पर कीचड़ उछालने की होड़ में

वाय.एस.आर. कांग्रेस के नेता व वर्तमान मु.मंत्री जगन रेड्डी ने पूर्व मु.मंत्री चन्द्रबाबू नायडू पर 3 सौ सत्तर करोड़ रूपये डकारने का सीधा आरोप लगाया

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22मार्च। तेलंगाना या कर्नाटक, जहाँ प्रमुख राजनैतिक दलों के बीच की बड़ी राजनैतिक लड़ाइयाँ राष्ट्रीय चर्चाओं का विषय बन रही हैं, के विपरीत, आंध्र प्रदेश इस मामले में ज्यादा चर्चित नहीं है, हालाँकि सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. तथा तेलुगू देशम पार्टी के बीच की लड़ाई भी उतनी ही उग्र और भीषण स्तर पर पहुँच रही है तथा आरोपों-प्रत्यारोपों का सिलसिला रोज़ की बात है। अगर विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री वाय.एस. जगमोहन रेड्डी सरकार का शासन निरंकुश एवं फासिस्ट है जिसमें जजों तक को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी ने पहली बार पिछले मुख्यमंत्री का नाम लेते हुये, उन पर 370 करोड़ रू. से अधिक के घोटाले में सीधे तौर पर लिप्त होने का आरोप लगाया है।

- जगन रेड्डी के अनुसार ''स्किल डवलपमैंट प्रोजैक्ट'' का यह पैसा सीधा विदेश गया और वहां से चन्द्रबाबू नायडू की ''डमी कम्पनियों'' के अकाउन्ट्स में आया।
- अभी आंध्र में चुनाव एक साल दूर हैं, और कीचड़ उछालने की होड़ इस स्तर पर पहुंच गयी, जब चुनाव सिर पर होंगे तो, आरोपों का स्तर और कितना नीचे जायेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री एन. चन्द्राबाबू नायडू ने दुख व्यक्त करते हुये कहा है कि राज्य में ''आपातकाल जैसी'' स्थिति चल रही है तथा सरकार सभी मोर्चों पर विफल हो चुकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री राज्य को पीछे धकेल रहे हैं। सत्तारूढ़ दल ने इस आरोप की उतनी ही तीखी प्रतिक्रिया दी है।

आंध्र प्रदेश में प्रमुख दल चुनावी मोड़ में आ चुके हैं। आंध्र के प्रमुख विरोधी दलों के बीच मीडिया में उग्र टकराव तथा उत्तेजित बहसें हो रही हैं, वहीं जमीन पर भी उत्तेजनापूर्ण टक्करें चल रही हैं। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष लोकसभा चुनावों के साथ ही होने हैं तथा इसलिये वहाँ राजनैतिक हलचलें बढ़ती जा रही हैं। इसके साथ ही भाजपा यह टोह ले रही है कि क्या वह आंध्र में प्रवेश कर सकती है। भाजपा सैलिब्रिटीज को अपने साथ लाकर, जनता तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। भाजपा सुपर स्टार पवन कल्याण, जो मेगा स्टार चिरंजीवी के भाई हैं, का सहयोग लेने का मानस पूरी तरह बना चुकी है। ज्ञातव्य है कि मनमोहन सिंह सरकार में केन्द्रीय मंत्री रह चुके हैं।

जब एन.टी. रामाराव ने राजनीति में आकर, कांग्रेस का नाटीकय रूप से सर्वनाश कर दिया था, तभी से ये सैलिब्रिटीज, ये स्टार आंध्र प्रदेश की राजनीति में अपना भाग्य आजमाते आ रहे हैं, लेकिन उन्हें वांछित तथा जबरदस्त सफलता नहीं मिल सकी है। पवन कल्याण के भाई चिरंजीवी ने एक पार्टी बनाई थी लेकिन उनकी पार्टी 294 में से सिर्फ 18 सीटें ही जीत सकी थी तथा बाद में उसका विलय कांग्रेस में हो गया था।

जहाँ नये दलों के आने से राजनीति का अखाड़ा रोचक होता जा रहा है, वहीं मुख्य लड़ाई सत्तारूढ़ वाय.एस.आर., सी.पी. तथा विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैंने कभी लंदन, पेरिस, अमेरिका व जर्मनी से हस्तक्षेप करने की बात नहीं कही'

राहुल गांधी ने एक इन्टरव्यू में कहा, ''वे मानते हैं कि, भारतीय प्रजातंत्र के संकट का समाधान भी भारत ही निकालेगा, कोई और नहीं''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र के संकट के संबंध में कहा कि यह हमारे देश की समस्या है और इसका समाधान हमारे देश के भीतर ही खोजना होगा। इसका समाधान बाहर से नहीं आ सकता।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि जैसा सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से दुष्प्रचार किया जा रहा है, उसके विपरीत उन्होंने लंदन, पेरिस, अमेरिका या बर्लिन की सरकारों से कभी भी हस्तक्षेप करने को नहीं कहा।

इस सप्ताह की शुरूआत से ही चल रही इन अटकलों के बारे में कि यदि विपक्ष गौतम अडानी के प्रकरण में जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से जांच की अपनी मांग को वापस ले लेता है तो भाजपा लोकतंत्र पर की गई उनकी टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग को वापस ले लेगी, राहुल ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है क्योंकि दोनों मुद्दे एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। ''हम ऐसी किसी भी सौदेबाजी के लिए तैयार नहीं है।''

- चर्चा है कि, अगर कांग्रेस अडानी के प्रकरण में जे.पी.सी. की मांग त्याग देगी तो, सरकार भी राहुल द्वारा माफी मांगने की जिद छोड़ देगी।
- इस चर्चा पर राहुल ने कहा, ये दोनों अलग-अलग बाते हैं, हम इस सौदे के लिये तैयार नहीं हैं तथा जे.पी.सी. के गठन की मांग कभी नहीं छोड़ेंगे।
- जयराम रमेश ने राहुल के कथन का समर्थन करते हुए कहा, अडानी आखिर इतने महत्वपूर्ण कैसे हो गये कि, उनको बचाने के लिये संसद नहीं चलने दी जा रही तथा जे.पी.सी. का गठन नहीं हो रहा।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञों का एक पैनल अडानी केन्द्रित है, जो अडानी केन्द्रित है, जो सिर्फ अडानी से ही प्रश्न पूछेगा ''लेकिन हम अडानी से प्रश्न पूछना नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और सरकार से प्रश्न पूछे जाएं। हमारे द्वारा उठाए गए प्रश्न केवल जे.पी.सी. ही पूछ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पैनल उन पर विचार तक नहीं करेगा।'' उन्होंने आशंका जतायी की सुप्रीम कोर्ट का पैनल सरकार को क्लीन चिट दे देगा।

उन्होंने यहां ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर बुधवार को आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में बताया कि वह तीन प्रश्न प्रतिदिन के हिसाब से मोदी से इस बारे में अब तक 100 प्रश्न पूछ चुके हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कुमंत्रणा से राजा का, कुसंगति से साधु का, अत्यधिक दुलार से पुत्र का और अविद्या से ब्राह्मण का नाश होता है।

–विदुर

माननीयों को लूट की छूट

'सत्ता व स्वर्ण की लूट है', लूट सके तो लूट ना जाने किस दौर में करवट बदले ऊँट'। आज माननीयों की मनमानी पर कोई नियंत्रण नहीं है। जनप्रतिनिधि के रूप में एक अवधि के लिये चुने जाने के बाद इन्हें खुली छूट है घोर अनुशासनहीनता की, अकर्मण्यता की, उद्दण्डता की, अनर्गल प्रलाप की और अटूट संपदा एकत्रित करने की। जो इनसे बचे हुए हैं वे विवश हैं, असहाय हैं, मूकदृष्टा हैं। विधान सभाओं और संसद में नित्य प्रति के हंगामें संसदीय लोकतंत्र का कलंक है, और इस कलंक से हमारे माननीय कलंकित हैं।

देश में जो काम पर, मजदूरी पर, अनुपस्थित रहता है, काम नहीं करता है, धरने–प्रदर्शन और हड़ताल पर रहता है तो काम नहीं तो दाम नहीं का सूत्र लागू होता है। पर ये माननीय सृष्टि के अति विशिष्ट जीव हैं जिन पर कोई नियम, कानून लागू नहीं होता। ये इस देश के संविधान तथा ईश्वर के नाम पर शपथ लेते हैं, देश सेवा की, निष्ठा व ईमानदारी की। परंतु शपथ लेते ही इनका चोला बदल जाता है। ये मन, वचन, कर्म से भ्रष्ट होने लगते हैं।

संसद विधानसभा व अन्य निर्वाचित सदस्यों की संस्था में कई–कई दिन तक कोई विधायी कार्य नहीं होता पर सदस्य के परिलाभ यथावत रहते हैं। सबसे ताजा उदाहरण भारत की लोकसभा व राज्यसभा के सत्रों का है। यह सभी कुछ पहली बार नहीं हो रहा, लगभग प्रत्येक सत्र में यही स्थिति रहती है। विपक्ष अम्बानी–अडानी संबंधी जाँच कराने पर और केन्द्रीय एजेन्सियों के दुरुपयोग के मुद्दे पर सत्तापक्ष काँग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गाँधी के विदेशों में लोकतंत्र को खतरा बताने और उसे बचाने के बयानों पर क्षमा माँगने पर अड़ा हुआ है।

पहला अंतर पक्ष–विपक्ष के मुद्दों पर यह है कि विपक्ष के आरोप सत्तापक्ष के देश के भीतर के आचरण से है और विपक्षी नेता के बयान विदेशों में भारत की छवि को खराब करने और देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के आह्वान जैसा है। अडानी और अम्बानी इस देश का पैसा लेकर भागे नहीं हैं। उन्होंने देश के विकास में, रोज़गार सृजित करने में अभूतपूर्व योगदान किया है। हाँ, उद्योगपति अपने व्यवसाय में धन का उलट फेर करते हैं और उस कारण उनके शेयर भी घटते–बढ़ते हैं। पर क्या यह सच नहीं है कि कुछ देशी और विदेशी ताकतें इस देश को विकसित व सबल नहीं देखना चाहतीं। यूँ तो कई मित्र देश भी यह नहीं चाहते। अमेरिकी एजेन्सी हिडनबर्ग और यू.के. की एजेन्सी बी.बी.सी. इसके उदाहरण हैं। प्रश्न उठता है कि इन विदेशी एजेन्सियों की भारत में इतनी रुचि क्यों है? क्या यह वही कहावत नहीं कि 'बेगानों की शादी में अब्दुल्ला दीवाना'। क्या उनके देशों में कम समस्याएँ हैं? अमेरिका के लिये रूस और चीन ही कम सिर दर्द नहीं हैं, भला वह भारत को क्यों एक बड़ी भारी 'शक्ति' बनने दे। यू.के. ने भारत पर सैंकड़ों वर्ष राज्य किया है, उसका शासित एक देश उससे भी आगे निकल कर आर्थिक शक्ति के उच्च पायदानों पर पहुँचे, यह किसको रास आयेगा। देशी प्रतिगामी ताकतें विदेशों का सहारा लेकर देश को अस्थिर करने में रुचि रखती हैं। नक्सलवाद की विचारधारा वामपंथियों द्वारा पोषित आंतरिक चुनौती है। इसी तरह पाकिस्तान और चीन द्वारा उत्पन्न एवं पोषित सीमा पर और देश के अंदर चलाई जा रही आतंकवादी एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियाँ भारत के लिये दूसरी बड़ी चुनौती है। गुलामी की मानसिकता से न उबरने वाले और मात्र अपने स्वार्थ में लिप्त देश के लोग भी राष्ट्रविरोधी ताकतों की मदद करने में लगे रहते हैं। यह एक कटु सत्य है कि केन्द्रीय सत्तापक्ष कभी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त हो ही नहीं सकता, वह एक राष्ट्रवादी सत्ता है, जबकि विपक्ष में कई लोग अपने संकीर्ण स्वार्थों के कारण देश का अहित करने में भी नहीं चूकते, और इनमें अधिकांश हमारे माननीय ही हैं।

माननीयों द्वारा लूट में पक्ष-विपक्ष दोनों हिस्सेदार हैं। वर्तमान में केन्द्रीय सत्ता पक्ष बहुमत में है। पूर्व में भी बहुमत की पक्ष-विपक्ष की सरकारें रही हैं। इन दलों का शीर्ष नेतृत्व कभी भी अपने-अपने दल को इस लूट का औचित्य-अनौचित्य नहीं समझाता, अपने प्रभाव का प्रयोग नहीं करता, बल्कि समर्थन ही करता है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

इन माननीयों द्वारा किये गये अभद्र व्यवहार की चर्चा भी मीडिया में आती रहती है। कभी सुरक्षा जाँच को लेकर हवाई यात्राओं में, कभी अधिकारियों व कर्मचारियों से मारपीट में इनके नाम आते हैं। इन माननीयों में एक बड़ी संख्या दागियों की है। न राजनीतिक दल और न ही चुनाव आयोग इस गंभीर बीमारी का इलाज करते हैं। संसद और सरकार तो इस पर ध्यान दें ही क्यों। हमाम में तो सभी नंगे हैं। सरकारें तो बनती ही ऐसे लोगों के कारण हैं जो धनबली और बाहुबली हों। धनबली और बाहुबलियों को अपनी प्रभुता का मद होना स्वाभाविक है, 'प्रभुता नाहि काहि मद नाहीं'। उनका यह मद जन प्रतिनिधि बनने पर और बढ़ जाता है 'सैंयाँ भये कोतवाल तो अब डर काहे का'?

इन माननीयों से अपेक्षा तो यह रहती है कि वे ज्यादा से ज्यादा अपने क्षेत्र का दौरा करें, जन समस्याओं को सुनें, उनका समाधान करें या करायें, राज्य व केन्द्र सरकार के ध्यान में लायें। जनता के मुद्दों को सदन में उठायें, अन्य जनप्रतिनिधियों की भी सुनें। सदन में बैठकर सरकार की रीति नीति की स्वस्थ आलोचना करें। किसी भी विकास कार्य या देश हित के कार्य को कैसे बेहतर किया जाये, इस पर सुझाव दें व जनहित में निर्णय लें। परंतु होता सब इसके विपरीत है। अध्यक्ष के आदेशों की अवहेलना, अवमानना, दस्तावेज फाड़कर अध्यक्ष की ओर फेंकना, वेल में जाकर शोर मचाना, वक्ताओं को न सुनना, नारेबाजी और शोर करते रहना आम नज़ारे होते हैं। हंगामा, धरना, प्रदर्शन, बहिगर्मन व संसद को न चलने देना, आदि के अशोभनीय उदाहरण ये जनता के सामने रखते हैं। क्या सीखता है देश इससे? अनुशासन हीनता ही तो सीखेगा। विपक्ष का एक नकारात्मक राजनीति करने का, केवल हर बात का विरोध करने का रवैया ही बन गया है। क्षेत्रीय दलों के अपने सत्ता बचाने के संकीर्ण स्वार्थ हैं तो राष्ट्रीय दलों में या तो प्रभावी नेतृत्व का अभाव है या कोई स्पष्ट रीति नीति का मानचित्र ही नहीं है।

माननीयों में क्षेत्रीय स्वार्थ सर्वोपरि होने व विपक्षी राष्ट्रीय दलों में मात्र सत्ता लोलुपता देश में विभाजक रेखाएँ खींच रही है। माननीयों के वेतन भत्ते, अन्य परिलाभ भी संसद चलने के समय के आधार पर दिये जाने चाहिये। उनके इतने परिलाभ हैं कि एक अतुल राशि का भार देश पर पड़ता है। हद तो हो ही जाती है जब उन्हें पेन्शन दी जाती है। क्या माननीय बनना एक नौकरी है या सेवा करना है।

सर्व विदित है कि सभी माननीय जन प्रतिनिधि निर्वाचित होने पर सम्पन्न से सम्पन्नतर और सम्पन्नतम होते जाते हैं। क्या देश को यह दिखाई नहीं देता है। निष्कर्ष यह कि मुफ्त की रेवड़ी पक्ष–विपक्ष सबको अच्छी लगती है और कोई भी इसका विरोध नहीं करता। माननीयों द्वारा व्यय की जाने वाली राशि का कोटा सर्वसमत्ति से बढ़ जाता है और इसी प्रकार अन्य आर्थिक लाभ और सुविधाएँ भी। कोई भी विरोध नहीं करता। समाचार पत्रों और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में भी यह चर्चा होती है और बात आई–गई हो जाती है।

माननीयों द्वारा लूट में पक्ष–विपक्ष दोनों हिस्सेदार हैं। वर्तमान में केन्द्रीय सत्ता पक्ष बहुमत में है। पूर्व में भी बहुमत की पक्ष–विपक्ष की सरकारें रही हैं। इन दलों का शीर्ष नेतृत्व कभी भी अपने–अपने दल को इस लूट का औचित्य–अनौचित्य नहीं समझाता, अपने प्रभाव का प्रयोग नहीं करता, बल्कि समर्थन ही करता है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वर्तमान केन्द्रीय सत्तापक्ष का शीर्ष नेतृत्व तो राष्ट्रवादी होने की बात करता है, ईमानदार, निष्ठावान, पारदर्शी होने का दावा करता है यह भी इस लूट के विरोध में स्वर नहीं उठाता यह आश्चर्यजनक है। निश्चय ही केन्द्रीय सत्ता पक्ष का शीर्ष नेता ईमानदार कहा ही जा सकता है, क्या वे इस लूट को रोकने हेतु सार्थक प्रयास करेंगे?

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

विक्रम सम्वत् 2080 के पावन अवसर पर जानें दुनिया में प्रचलित विभिन्न प्रमुख कैलेण्डर और उनका इतिहास

डॉ. जे.के.गर्ग

चन्द्रमा दिखने का क्रम को हम चन्द्रमा की कलाएं भी कहते हैं। यह कलाएं एक तय समय के बाद अवश्य ही जारी रहती है। इस तरह दिन रात एवं चन्द्रमा की कलाओं को आधारित मानते हुवें महीनों और दिनों की गिनती की जाती है। जैसे हम जानते हैं कि सूर्यास्त के बाद ही तारें और चन्द्रमा दिखाई देते हैं और अन्धकार भी हो जाता है इसीलिए इस अवधी को रात कहा जाता है। सूर्योदय होने पर उजाला होने लगता है जो सूर्यास्त होने तक रहता है अत: इस अवधी को दिन कहा जाता है। यह भी ज्ञात हुआ कि मोसम में बदलाव सूर्य की वजह से ही होता है। सूर्य का एक चक्र एक मौसम से दुसरे मोसम माना जाता है। इसी तरह चन्द्रमा का चक्र एक नये चाँद से दुसरे नये चाँद माना जाता है। चन्द्रमा का चक्र साढ़े उन्नतीस दिनों के अंदर पूरा होता है इसी अवधी को महीना कहा जाता है। दिन रात और महीनों की गिनती हेतु कैलेंडर या पंचांग का जन्म हुआ। अलग देशों ने अपने अपने त्तीकों से कैलेंडर बनाये क्योंकि एक ही समय में प्रथ्वी के विभिन्न हिस्सों के अंदर मौसम और दिन रात की अवधी भी भिन्न–भिन्न होती है। हमारे विशाल देश के अंदर भी लगभग पचास तरह के कैलेंडर प्रचलित है।

चीनी और यूनान की सभ्यताओं के अंदर केलेंडर का मतलब चिल्लाना होता है। पुराने जमाने के अंदर एक आदमी मुनादी या घोषणा करता था कि कल कोन सी तिथी पर्व या व्रत होंगे। नील नदी के अंदर बाढ़ आयेगी या बारिश होगी। इस चिल्लाने वाले के नाम पर ही (थेट हु केलेंड्स ईज केलेंडर) कैलेंडर शब्द बना। लैटिन भाषा के अंदर केलेंडर का अर्थ हिसाब किताब करने का दिन माना गया।

विक्रम संवत––विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईस्वी (बी .सी) से हुई थी। इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य ने राज्य स्थापित किया। उन्हीं के नाम पर विक्रमी संवत नाम पढ़ा। इस प्रकार से सं 2023 ईस्वी में विक्रम संवत 2080 होगा। विक्रम संवत के अंदर इसके अंदर साल का प्रथम मास चैत्र शुक्ल एकम या या प्रतिपदा और साल का अंतिम मॉस फाल्गुन होता है। विक्रम संवत अंग्रेजी कैलेंडर से 57 वर्ष आगे होता है। 22 मार्च 2023 को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन से विक्रम संवत 2080 शुरू हो रहा है। 22 मार्च से ही नवरात्रा शुरू हो जाते है। राम नवमी नवरात्रा का अंतिम दिन होता है। विक्रम संवत के अंदर अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक साधारणतया निम्न प्रकार से महीने होते हैं यथा चेत्र मास मार्च अप्रेल में, वैशाख अप्रेल मई में, जेयेष्ट –मई जून, आषाढ़ जून जुलाई, सावन जुलाई अगस्त, भाद्रपद अगस्त सितम्बर, अश्विन सितम्बर अक्तूबर, कार्तिक अक्तूबर नवम्बर, मगसर नवम्बर दिसम्बर, पोष दिसम्बर–जनवरी, माघ जनवरी फरवरी और फाल्गुन फरवरी––मार्च। दिवाली और दशहरा कार्तिक महीने के अंदर आते है वहीं राखी सावन मास के अंदर होती है और होली फाल्गुन मास मे मनाई जाती है।

विक्रम संवत से जुड़ी धार्मिक और ऐतिहासिक मान्यता––चैत्र प्रति पदा का विशिष्ट ऐतिहासिक महत्व भी हैं क्योंकि सनातन धर्म की मान्यता है कि चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन सूर्योदय के समय ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। सम्राट विक्रमादित्य ने इसी दिन राज्य स्थापित किया। उन्हीं के नाम पर विक्रमी संवत का पहला दिन प्रारंभ होता है। कहते हैं कि प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक का दिन यही है। चैत्र प्रतिपदा शक्ति और भक्ति के प्रतीक नवरात्र का पहला दिन भी है। युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ। चैत्र प्रतिपदा ही सिखो के द्वितीय गुरु श्री अंगद देव जी का जन्म दिवस भी है। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की एवं कृण्वंतो विश्वमार्यम् का संदेश दिया। सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावत संत झूलेलाल जी का अवतरण भी इसी दिन हुआ था। सम्राट विक्रमादित्य की भांति शालिवाहन ने हूणों को पराजित कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठ राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना था।

ग्रेगोरियन या अंग्रेजी कैलेंडर––ग्रेगोरियन या अंग्रेजी कैलेंडर के अंदर साल का प्रथम महीना जनवरी और अंतिम महीना दिसम्बर होता है। संसार के अधिकांश मुल्कों के अंदर ग्रेगोरियन या अंग्रेजी केलेंडर प्रचलित है। अनेक देशों के अंदर नव वर्ष एक जनवरी को धूमधाम हर्षोल्लास के साथ नये वर्ष का स्वागत किया जाता है। 25 दिसम्बर को क्रिसमस का पर्व भी मनाया जाता है।

शक संवत––शक संवत को राष्ट्रीय पंचांग बनाने का फैसला 22 मार्च 1957 को लिया गया। शक संवत को राष्ट्रीय पंचांग बनाने के लिये तर्क दिया गया कि इस संवत का उल्लेख प्राचीन शिलालेखों में भी मिलता है। यह भी माना जाता है कि शक संवत का प्रारंभ कुशक राजा कनिष्क के राज्य काल के समय 78 ईस्वी (ऐ. डी) को हुआ था। इसके अंदर साल का प्रथम मास चैत्र शुक्ल एकम या या प्रतिपदा और साल का अंतिम मास फाल्गुन होता है। ग्रेगोरियन या अंग्रेजी केलेंडर से 78 साल पीछे होता है इस तरह से 2023 ईस्वी में शक संवत (2023––– 78) यानि 1945 है।

हिजरी कैलेंडर––हिजरी केलेंडर शुक्रवार 16 जुलाई 622 ईसवी के अंदर इस्लामिक या हिजरी कैलेंडर आरम्भ हुआ था। इस केलेंडर के अंदर एक उल्लेखनीय बात है कि इसके अंदर चन्द्रमा की घटती–बढती गति का का संयोजन नहीं किया गया है इससे वजह इसके महीने प्रति वर्ष लगभग 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं। इस केलेंडर को हिजरी कहा जाता है क्योंकि मोहम्मद साहिब ने इसी वर्ष अपने अनुयायीयों के संग मक्का को छोड़ करके मदीना के लिये हिजरत की थी। हिजरी केलेंडर के अंदर 12 महीने होते हैं जिसमे 29 और 30 दिन के बाद नया मॉस आरम्भ होता इस तरह एक साल के अंदर 354 दिन होते हैं।

महीनों के नाम––––मुहरम या एल्ब्रम, सफर, रबीउलअव्वली, बींउस सानी, ज्मद्दुलउल्ला, ज्म्ड्स सानी, रजब, शाबान, रमजान, श्रीवांली, कुलकंद और जुल हिज्जा हिज्बी।

मोहर्रम के महीने के अंदर हजरत इमाम हुसैन और उनके मित्रों ने बातिल से युद्ध करते हुए अपनी शहादत दी थी।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा, जयपुर

टसकोला जंगल में पैंथर का शव मिला

पावटा, (निसं)। टसकोला में जीण माता मंदिर के पास जंगल में एक चट्टान पर बने नाले में एक पूर्ण वयस्क नर पैंथर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी वहीं पैंथर को देखने ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग पावटा नाका से वनपाल विजय सिंह यादव, वन रक्षक मुकेश, सहायक वनपाल मीर सिंह सहित पूरा अमला मौके पर पहुंचा। मृत नर पैंथर की उम्र 5 से 6 साल बताई गई है। पहले तो शिकार की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पैंथर की लाश का बारीकी से परीक्षण करने के बाद बताया गया कि ट्रोमेटिक शॉक से उसकी मृत्यु हुई है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी सीताराम यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया इसे चट्टान से गिरने से हुई चोट को मौत का कारण माना जा रहा है।

वहीं मृत पैंथर के शव को वन विभाग नाका पावटा की टीम द्वारा क्षेत्र वन अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार रेंज कार्यालय कोटपूतली में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जहां पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन करते हुए डॉ. हरीश कुमार, डॉ. कैलाश शर्मा, डॉ. लेखराज नारवाल द्वारा मृत पैंथर का पोस्टमार्टम किया गया। रिपोर्ट आने के बाद चट्टान से गिरने के बाद एक दांत टूटना व ट्रोमेटिक शॉक को मौत का कारण बताया गया है। वहीं पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग व विशेषज्ञ चिकित्सकों के सामने पैंथर के शव का विधिवत दाह संस्कार किया गया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने पैंथर के शव का पोस्टमार्टम किया।

राज्यपाल द्वारा पन्नालाल मेघवाल की पुस्तकों का विमोचन

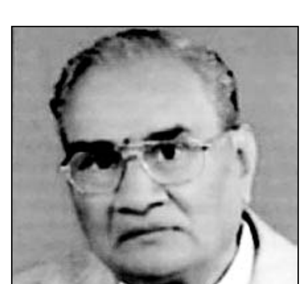

डॉ. बीपी भटनागर

■ बुधवार को राज्यपाल कलराज मिश्र ने मेघवाल की पुस्तक 'राजस्थान हस्तशिल्प कलाएं' एवं उसके अंग्रेजी अनुवाद 'द हैण्डिक्राफ्ट्स ऑफ राजस्थान' का विमोचन किया

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने राजभवन में बुधवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक श्री पन्नालाल मेघवाल द्वारा लिखित राजस्थान हस्तशिल्प कलाएं एवं उसका अंग्रेजी अनुवाद 'दी हैंडीक्राफ्ट्स ऑफ राजस्थान' पुस्तकों का विमोचन किया।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने संदेश में कहा कि राजस्थान की अपनापे से भरी संस्कृति और यहां का सांस्कृतिक वैभव विविधता से आकर्षण का केंद्र रहा है। राजस्थान हस्तशिल्प कलाओं का आरंभ से ही गढ़ रहा है। अंचल विशेष के रहन–सहन और लोगों की परंपराओं से संबद्ध यहां की हस्तकलाएं वंशानुगत परंपराओं से पोषित राजस्थान की उत्सवधर्मी संस्कृति को गहरे से व्यंजित करती हैं।

उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि श्री मेघवाल ने हस्तशिल्प पर केंद्रित इन पुस्तकों में हस्तकलाओं के विविध रूपों के साथ ही इस कला से जुड़े कलाकारों की आंचलिक पृष्ठभूमि, कला के सौंदर्यबोध और हस्तशिल्प से जुड़े विविध आयामों को शब्दों में पिरोया है। उम्मीद है, राजस्थान के विभिन्न अंचलों से जुड़ी भांत– भांत के हस्तकलाओं की ये पुस्तकें सुधि पाठकों के लिए उपयोगी होंगी।

लेखक ने इन पुस्तकों में तारकशी, ब्ल्यू पॉटरी, लाख की कृतियां, थेवा कला, बीकानेर की उस्तां कला, अकोला की रंगाई छपाई, थर्मोकोल शिल्प, चंदन पर नक्काशी, बस्सी की काष्ठ कला, बाड़मेर की काष्ठ कला, कावड़ कला, धनुष बाण, मोलेला की मूर्तिकला, तलवाड़ा की मूर्तिकला, पाग– पागड़ियां, पेचवर्क, पेपरमेशी, टोंक के नमदे, सालावास दरी, फड चित्रकला, बेगूं की चित्रकला, कोटा डोरिया, बंधेज कला, खराद कला, ढाल तलवार एवं मेवाड़ शैली लघु चित्रकारी आदि हस्तकलाओं का विषद विवेचन किया है।

लेखक का मानना है कि कलाएं जीवन के उत्कर्ष और आनंद की अभिव्यक्ति करती हैं। मन की कल्पनाएं विविध कला स्वरूपों का आश्रय ठाहण कर नए–नए रूपाकारों की सृष्टि करती हैं। कलाएं मनुष्य के लिए अति महत्वपूर्ण और उपयोगी रही हैं। कला को जीवित रखने में कलाकार की अहम भूमिका है। कलाकार ईश्वर की एक बहुमूल्य कृति है। प्रतिभा संपन्न कलाकार किसी संस्था या कला गुरु का मोहताज नहीं होता। प्रतिभा से सृजन की भूख को वह कला के माध्यम से प्रकट करता है।

श्री मेघवाल ने परंपरागत कलाओं को रेखांकित करते हुए महसूस किया है कि माध्यम चाहे कोई भी हो, परिस्थितियां कैसी भी हो? कला का विकास कभी थमा नहीं, अपितु देशकाल व परिस्थितियों के अनुकूल बनाते हुए नवीन प्रयोगों के साथ आगे बढ़ा है। लेखक ने पुस्तकों में उद्धृत किया है कि प्रकृति के बीच रहने वाले लोगों के लिए घर का आंगन, द्वार, दीवार ही कैनवास बन जाते हैं।

पेड़ पौधों, टहनियों की डंडियों से बनी कूंची और चूना, मिट्टी, गेरु, हल्दी जैसे घरेलू पारंपरिक तैयार रंगों से वे प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों के माध्यम से अपने आसपास के जीवन को अभिव्यक्त करते हैं, वहीं उनकी कला प्रतिभा के माध्यम से नित नए उत्पादों का सृजन कर आम जनता के सामने परोसते हैं।

लेखक श्री पन्नालाल मेघवाल की कला एवं संस्कृति तथा विरासत संबंधित पन्द्रह पुस्तकें और 650 आलेख राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। उन्हें साहित्य में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान– 2022 तथा कला एवं संस्कृति में उत्कृष्ट लेखन के लिए भूपेन हजारिका गौरव सम्मान–2022 से नवाजा जा चुका है।

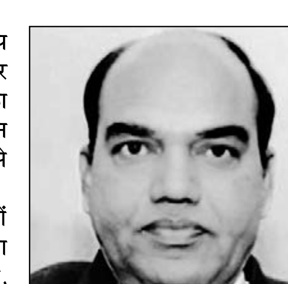

पन्नालाल मेघवाल

श्री मेघवाल की इन पुस्तकों में 40 हस्तशिल्प कलाओं को मनमोहक चित्रों के माध्यम से प्रकाशित किया है। 210 पृष्ठों की राजस्थान हस्तशिल्प कलाएं पुस्तक का मूल्य 400/– है, जबकि 240 पृष्ठों की 'दी हैंडीक्राफ्ट्स आफ राजस्थान' पुस्तक का मूल्य 500/– है। साहित्यागार जयपुर से प्रकाशित ये पुस्तकें साहित्यागार, अमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध हैं।

–डॉ. बीपी भटनागर,
पूर्व कुलपति, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 23 मार्च, 2023

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, रेवती नक्षत्र दिन 2:08 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 3:41 तक, बालव करण प्रात: 7:16 तक, चन्द्रमा दिन 2:08 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–मीन, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज चेटीचण्ड (सिन्धी), श्री झूलेलाल जयन्ती, चन्द्र दर्शन, साम्यार्ध, दक्षिण श्रृंगोन्नति, सिंजारा (गणगौर), चन्द्रव्रत, तैत्रव्रत है। पंचक दिन 2:08 पर समाप्त होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:02 तक, चर 11:03 से 12:33 तक, लाभ अमृत 12:33 से 3:33 तक, शुभ 5:03 से 6:34 तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 6:35

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है

कर्क
नवीन कार्यों के संदर्भ में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादों से राहत मिल सकती है।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
पारंवार म मन का प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

बीदासर में पानी की टंकी पर चढ़े तीन युवक, बंद रहे बाजार

सुजानगढ़ को जिला बनाने को लेकर पांचवे दिन भी धरना-प्रदर्शन जारी रहा

बीदासर, (निसं)। सुजानगढ को जिला बनाने की मांग पूरी नहीं होने पर बुधवार को पाँचवे दिन भी जनहित संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में लोगों का विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। सीकर नोखा स्टेट हाईवे पर कस्बे के पुराना बस स्टेण्ड पर पार्षद बेगराज नाई के नेतृत्व में मोर्चा के सैंकडो आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने धरना देकर जाम लगा दिया।

इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री गहलोत और विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आक्रोश जताया तथा सुजानगढ को जिले का गौरव लौटाने की मांग की। उन्होंने स्टेट हाईवे से जुडे हुये सभी मार्गों को जाम रखा। इससे पूर्व मंगलवार की पूरी रात भी हाइवे जाम रखा और कार्यकर्ता धरने पर डटे थे। जाम के कारण चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। प्रदर्शन के दौरान कस्बे में पूर्णतया शांति बनी रही। धरना स्थल के पास पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

बीदासर में पुराना बस स्टैंड पर धरने पर बैठे नागरिक।

धरने पर भाजपा नेता बीएल भाटी, पवन महाराज, जुल्फीकार रिणीवाल, विमल टेलर, विहिप के जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, बजरंग दल सयोजक धनराज सैन, दीपाराम सारण, छात्रनेता सांवरमल पारीक, सुरेन्द्र सुथार सहित सैकडो नागरिक उपस्थित थे। देर शाम कार्यकर्ताओं ने रास्ता खोल दिया।

बंद रहे बाजार:- सुजानगढ जिला नही बनाने के विरोध में व्यापार मण्डल बीदासर के आ ान पर बुधवार को कस्बे के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। वही बंद को देखते हुये पुलिस चाकचौबंद रही तथा बाजार में पुलिस की गश्त जारी रही।

तीन युवक चढ़े पानी की टंकी पर:- सुजानगढ को जिला बनाने की मांग को लेकर पाँच दिनो से जारी धरना प्रदर्शनों के बीच दोपहर करीब तीन बजे भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष पंकज गुसाईवाल, गोविंद राम मेघवाल बीदासर व गोविद मेघवाल दड़ीबा तीनों सीकर-नोखा स्टेट हाईव पर स्थित जलदाय विभाग सहायक अभियंता कार्यालय में बनी पानी की टंकी पर चढ गये। तीन युवकों के टंकी पर चढऩे की खबर ज्यौंही कस्बे में फैली तो सैंकडो लोग जलदाय विभाग कार्यालय के पास एकत्रित हो गये। परिवार के लोगों की समझाईश के बाद तीनों युवक टंकी से नीचे उतरकर अपने घर लौट गये।

एन.टी.टी. टीचर्स का ब्रिज कोर्स शुरू

झुंझुनूं, (निसं)। नई शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सुदृढीकरण लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षकों का डाइट परिसर झुंझुनूं में ब्रिज कोर्स शुरू किया गया। ब्रिज कोर्स के इस उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनुसूया सिंह थी। विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुभाषचंद्र ढाका, डाइट वाइस प्रिंसीपल सुशीला महला, वरिष्ठ व्याख्याता दीपेंद्र बुडानिया, उप प्राचार्य महेश दूदवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्रधानाचार्य अमीलाल मूंड द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में इस ब्रिज कोर्स के प्रभारी प्रमेंद्र कुल्हार द्वारा कोर्स की संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को अवगत करवाया एवं शिक्षा विभाग की तरफ से आए हुए समस्त अतिथियों का एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया गया। सीडीईओ अनुसूइया सिंह ने प्रशिक्षण में लगातार उपस्थित रहकर लगन, मेहनत एवं निष्ठा से अच्छी बातें सीखकर बच्चों को लाभान्वित करने के लिए कहा। सुभाषचंद्र ढाका ने अनुशासित तरीके से रहकर यहां से सीखे गए ज्ञान को विद्यालय में क्रियान्वित किस प्रकार करें इस पर चर्चा की।

सार-समाचार

हाई मास्क लाइट का काम हुआ शुरू

नवलगढ़, (निसं)। मुख्यमंत्री सलाहकार नवलगढ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा ने विधायक कोटे से बिरोल मुख्य चौक बस स्टैंड पर हाई मास्क स्ट्रीट लाइट के लिए 5 लाख स्वीकृत किए। इसके लिए सरपंच अनिता नरेंद्र कड़वाल सरपंच फॉर्म अध्यक्ष व समस्त ग्राम वासियों ने विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा का आभार व्यक्त किया व लड्डू बांटकर कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रतापसिंह आर्य, कैप्टन बजरंगलाल बुरड़क, कालूराम, विद्याधर, पंच कजोड़मल, प्रहलाद, प्रवीण, पंच मोहरसिंह महेंद्र, चिरंजीलाल, सोहनलाल, महावीर बुरड़क, बजरंगलाल शर्मा, बनवारीलाल दर्जी, ताराचंद बुरड़क, नथमल, महेंद्र, रवि, शंकर, जितेश जांगिड़, संजीव, विजेंद्र, हरिश, दिलीप, बाबू, पूर्णमल, कल्याण व रवि आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरस डेयरी बूथ आवंटन कार्यक्रम घोषित

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ नगरपालिका द्वारा सरस डेयरी बूथों के आवंटन कार्यक्रम का निर्धारण तय किया गया है। नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी प्रियंका बुडानिया ने बताया कि मुख्यमंत्री के बजट घोषणा वर्ष 2022-23 में सरस डेयरी बूथ आवंटन करने की घोषणा की गई थी, जिसकी पालना में डेयरी बूथ हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मार्च 2023, लॉटरी डालने की तिथि ०4 अप्रेल 2023, लॉटरी द्वारा चयनित अभ्यार्थीयों के साक्षात्कार की तिथि 10 अप्रेल से 26 अप्रेल 2023 तथा डेयरी बूथ आवंटन की तिथि 28 अप्रेल 2023 तय की गई है।

डॉक्टरों ने मारपीट के विरोध में विधायक और एस.डी.एम. को ज्ञापन दिया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना उपखंड क्षेत्र के सभी निजि चिकित्सालय एवं डायग्नोस्कि केन्द्र द्वारा स्वास्थ्य के अधिकार विधेयक को रोकने एवं चिकित्सकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को कुचलने वाले दोषियों को सजा दिलाने बाबत बंद रहे। सरकारी चिकित्सकों ने भी अरिसदा के बैनर तले सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सांकेतिक हड़ताल रखी।

उपखंड के सभी निजी दंत चिकित्लाल्या भी बंद रहे। सरकार चिकित्सा के अधिकार अधिनियन को निजि चिकित्सालयों पर थोप कर आपातकालीन सेवाएं नि:शुल्क करवाना चाहती है जो कि संभव नहीं हैं। 20 मार्च को जयपुर में चल रहे शांतिपूर्ण आंदोलनकारी चिकित्सकों पर पुलिस ने लाठी चार्ज करके आंदोलन को कुचलने का अप्रजातांत्रिक तरीका अपनाया है उसकी इंडियन मेडिकल एवं डेंटल ऐसोसिएशन घोर निंदा करता है। लाठीचार्ज में अनेक चिकित्सक घायल भी हुए हैं जिनमें महिला चिकित्सक भी शामिल थी। एक चिकित्सक के हाथ की अंगुली में अस्थि भंग हुआ है। समस्त

मांग को लेकर चिकित्सकों ने एस.डी.एम. राजवीर यादव ज्ञापन सौंपा।

चिकित्सा जगत चाहता है कि दोषि अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को चिन्हित करके उनको कड़ी सजा दी जाए। इस बाबत सभी निजी चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों होम्योपैथिक चिकित्सको ने एसडीएम राजवीर यादव एवं विधायक व्यापार मंडल अध्यक्ष राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने में डॉ. हरवंश गोयल अध्यक्ष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सचिव आरएमए डॉ. राजेश जाँगिड, डॉ. बी. एल. बुंदेला, डॉ. श्रवण मीना, डॉ अभिषेक, डॉ. खुशबू ,सुमित नारायण, डॉ. मोहरसिंह, डॉ. के के यादव, डॉ अरूण फानन, डॉ. सत्य नारायण, डॉ सुरेन्द्र कुमार, डॉ. मनोज चौधरी, डॉ. अशोक लकवानी, डॉ अशोक गोठवाल, डॉ. राजेश बराला आदि चिकित्सक उपस्थित रहे।

पट्टे जारी करने की मांग

चूरू, (कासं)। कांग्रेस नेता एवं वार्ड नम्बर दो के पार्षद अंजनी कुमार शर्मा के नेतृत्व में आज कलैक्टर सिद्धार्थ सिहाग को 69 क के अंतर्गत पट्टे जारी करने के लिए ज्ञापन दिया गया। यहां पार्षद अंजनी कुमार शर्मा ने बताया कि वार्ड के तीन सौ से ज्यादा पट्टे 69 क के अंतर्गत आते हैं, जिनका अभी तक सर्वे नहीं किया गया है। इस कारण लोगों में आक्रोश है। साथ ही अभियान की अवधि समाप्त होने का अंदेशा है, तत्पश्चात पट्टों के मिलने में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। कलैक्टर से आग्रह किया है कि अभियान में सम्मिलित अभी कर्मचारियों को पाबंद कर जल्द से जल्द पट्टा वितरण का कार्य शुरू करें। इस अवसर पर वार्ड नम्बर चार पार्षद प्रतिनिधि यासीन खान, अजीज अली, अंजार अली, च्यानन सैनी, हरी प्रसाद सैनी, मुंशी सैनी, दुर्गाराम सैनी, आमीन, साहिना, प्रभु सिंह, महेश शर्मा, पेमाराम, जमील, युनुस खान, किशोर भाटी आदि सहित सैंकड़ों वार्डवासी उपस्थित थे। कलैक्टर ने आश्वासन दिया कि सभी स्थितियों का अवलोकन कर जल्द से जल्द अभियान को सुचारू किया जाएगा।

राजकुमार स्वामी की द्वितीय पुण्यतिथि पर भजन संध्या

सुजानगढ़, (निसं)। राजस्थान के भजन सम्राट व सुजला के सुप्रसिद्ध संगीतकार स्वर्गीय राजकुमार स्वामी की द्वितीय पुण्यतिथि पर विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। किशोरदास स्वामी ने बताया कि एक शाम राजकुमार स्वामी के नाम आयोजित कार्यक्र्रम में बॉलीवुड, इंडियन आइडल व राजस्थान के सुप्रसिद्ध कलाकारों का महासंगम हुआ। विशाल भजन संध्या में सभी कलाकारों ने एक से बढकर एक शानदार प्रस्तुतियां देकर देर रात्रि तक श्रोताओं को बांधे रखा।

आगंतुक सभी संगीतकारों ने राजस्थान के संगीत कला क्षेत्र में राजकुमार स्वामी द्वारा दिए गए योगदान और उनके गाए हुए भजनों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सांगलिया सांगलिया अडकसर धूनी के पीठाधीश्वर श्री श्री 1०8 स्वामी पूसादास जी महाराज, ओमदास जी महाराज अड?सर, केशवदास महाराज सुजानगढ, महंत स्वामी कानपुर महाराज के सानिध्य में आयोजित विशाल भजन संध्या में बॉलीवुड सिंगर सतीश देहरा, इंडियन आईडल स्टार सवाई भाट, इंडियन आईडल स्टार रेनू नागर, संगीत गुरु प्रकाश नागर, सुप्रसिद्ध भजन कलाकार प्रकाश माली बालोतरा, महेंद्र स्वामी वापी, केशव दास महाराज , दिनेश माली नागौर, अमृत राजस्थानी हरासर, नंदू शेखावाटी, बलि मोहनवाडी, पूजा डोटासरा, ममता कच्छावा, रामअवतार-सुरेंद्र मारवाडी, नानूदास स्वामी, किशन पुजारी, सुभाष कावा, मोहनलाल, ज्ञाना राम दूजार शहीद अनेक कलाकारों ने देर रात्रि तक भजनों की प्रस्तुतियां दी। आयोजन में आगंतुक सभी संतो, कलाकारों व श्रोताओं का राजकुमार स्वामी की पुत्री सीमा स्वामी ने आभार प्रकट किया। आयोजन में पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, प्रधान मनभरी देवी मेघवाल, आसोटा सरपंच हरदयाल रूलानिया, ऑडिट सरपंच गणेशराम चौधरी, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, भाजपा नेता बी.एल. भाटी, रिटायर्ड आईएएस आर.के.नायक, समाजसेवी पुटिया राजा, चाडवास के पूर्व सरपंच एड. विमल जेदिया सहित राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र से जुडे अनेकों लोग आयोजन में उपस्थित रहे।

छात्राओं ने श्रमदान किया

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय मोहता महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के विशेष शिविर के दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश बासोतिया ने बताया कि शिविर के दौरान छात्राओं ने श्रमदान सत्र में छात्रानुभग में रखें गमलों को गोद लिया और उनके रख रखाव की जिम्मेदारी ली। बौद्धिक सत्र प्राचार्य डॉ. पी.एस. राठौड ने स्वयंसेविकाओ को सम्बोधित करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने व सामाजिक सरोकारों से जुडने का आ ान किया। वरिष्ठतम संकाय सदस्य डॉ. राजवीर सिंह ने छात्राओं को उनके अधिकारों व कर्त्तव्यों का निर्वहन एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश का भविष्य है और इस नाते उनको राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को सजगता से निभानी चाहिए। इकाई प्रथम में स्वयंसेवको ने कार्यक्रम अधिकारी नवीन कुमार के निर्देशन में गोद ली बस्ती में सर्वेक्षण कार्य स्वच्छता का संदेश दिया।

बेदखली आम सूचना

मेरा मुवक्किल शंकरलाल पुत्र भंवरदास जाति स्वामी निवासी शिव कॉलोनी वार्ड नं. 31 चूरू तहसील व जिला चूरू (राज.) के हिदायतानुसार सूचित कर रहा हूं कि मेरे मुवक्किल शंकरलाल की पुत्री ममता राकावंत अविवाहित है, जो मेरे मुवक्किल के नियंत्रण में न रहकर अपनी इच्छा से इधर-उधर आती जाती रहती है। मेरे मुवक्किल को सामाजिक व्यक्तियों से ज्ञात हुआ है कि मेरे मुवक्किल की पुत्री ने संदीप पुत्र विष्णु चंदेल निवासी शिव कॉलोनी वार्ड नं. 31 चूरू तहसील व जिला चूरू से अपनी मनमर्जी से शादी कर ली है। मेरे मुवक्किल की पुत्री मेरे मुवक्किल एवं उसकी पत्नी सरीता देवी के कहने व सुनने में नहीं है, जो आये दिन मेरे मुवक्किल व उसके परिवार को ओलमा दिलवाती रहती है तथा समाज में नीचा दिखाने का काम करती है, जो गलत संगत में पड़ गई है। जिस हेतु मेरे मुवक्किल एवं उसके परिवार द्वारा उसे काफी बार समझाईश की गई, किन्तु वह मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के जाइज बातों को नहीं मानती है। इस कारण मेरे मुवक्किल व उसकी पत्नी ने अपनी पुत्री ममता से तंग-परेशान होकर अपनी समस्त प्रकार की चल एवं अचल सम्पति से मेरे मुवक्किल की पुत्री ममता पुत्री शंकरलाल जाति स्वामी निवासी शिव कॉलोनी वार्ड नं. 31 चूरू तहसील व जिला चूरू (राज.) को बेदखल कर दिया है। आज दिनांक के बाद मेरे मुवक्किल व उसकी पत्नी से ममता का कोई वास्ता नहीं है। मेरे मुवक्किल की पुत्री ममता द्वारा किये गये किसी भी कृत्य/अपकृत्य/आपराधिक कृत्य या अन्य किसी प्रकार के संव्यवहार के लिए मेरा मुवक्किल व मेरी मुवक्किल के परिवार का कोई भी सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयम् ममता की होगी।

दिनांक 22.03.2022

भवदीय

सुरेन्द्रसिंह शेखावत, एडवोकट, चूरू

विश्व जल संरक्षण दिवस पर सेमिनार का आयोजन

चूरू, (कासं)। राजकीय लोहिया महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग में आज विश्व जल संरक्षण दिवस 2023 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. शेर मोहम्मद ने की। इस सेमिनार में विभाग सदस्यों डॉ प्रशांत शर्मा एवं मुकेश मीणा के अलावा स्नातकोत्तर पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डॉ शेर मोहम्मद ने इस अवसर पर जल के महत्व को रेखांकित करते हुए बतलाया कि जल ही जीवन है, जल के बिना हमारा जीवन संभव नहीं हो पाएगा। पूरे विश्व में 70 प्रतिशत भाग पर जल पाया जाता है लेकिन पीने योग्य पानी कितना है, यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। विश्व स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो थीम इस वर्ष के लिए दी गई है, वह है परिवर्तन में तेजी जिसका मतलब है पानी और स्वच्छता के महत्व को समझना और उसको सही करने के प्रयासों को में तेजी लाना। डॉ मोहम्मद ने बतलाया कि अगर जल रहेगा तभी हम लोग इस दुनिया में जीवित रह पाएंगे अन्यथा जैसा कि कहा जा रहा है तीसरा विश्वयुद्ध भी पानी के लिए ही होगा। विभाग सदस्य मुकेश मीणा ने जल संरक्षण विषय पर प्रकाश डाला और जल के संरक्षण की अलग-अलग विधियां उन्होंने बतलाई । उतरार्द्ध के छात्र सौरभ शर्मा ने बताया कि पृथ्वी का 70 प्रतिशत भाग जल से घिरा है किंतु पीने योग्य जल की मात्रा केवल 3 प्रतिशत है तथा भूमि पर जल का समान वितरण है।

छात्रा मधु सोनी ने बताया कि वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या के कारण जल स्त्रोत कम होते जा रहे हैं जिसके कारण जल की मात्रा में निरंतर कमी होती जा रही है, जल स्तर घटता जा रहा है। पूर्वार्ध की छात्रा ज्योति कंवर ने राजस्थान और चूरू के वन क्षेत्रों के बारे में बताया कि राष्ट्रीय पॉलिसी के अंतर्गत 33 प्रतिशत भाग पर वन होने चाहिए लेकिन यह प्रतिशत बहुत ही कम है। आरती जांगिड़, जितेंद्र सिंह एवं लालचंद ने वर्षा के जल को संरक्षण करने के उपायों पर प्रकाश डाला। सेमिनार में अन्नपूर्णा ने कविता के माध्यम से जल के महत्व को समझाया। इस सेमिनार में उतराद्धे और पूर्वार्द्ध के 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया। संचालन उत्तरार्ध की छात्रा अन्नपूर्णा सुथार ने किया।

स्वच्छता कार्यों का अवलोकन किया

चूरू, (कासं)। जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने बुधवार को रतननगर में स्वच्छता को लेकर किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया और वार्ड के लोगों से बातचीत कर फीडबैक लिया। उल्लेखनीय है कि जुलाई माह शुरू हुए रतननगर को स्वच्छए स्वस्थ एवं साक्षर बनाये जाने की मुहिम अंतर्गत विशेष कार्य किए जा रहे हैं। अभियान को लेकर फिनिश सोसायटी, नगरपालिका, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अब आमजन भी इस मुहिम से जुड़े हैं और आगे आकर शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं साक्षर बनाने के लिए पूरे मनोयोग के साथ अभियान में सहभागिता निभा रहे है। जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग के मार्गदर्शन और पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर, अधिशाषी अधिकारी सत्यनारायण स्वामी के नेतृत्व में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत महिला श्रमिकों को 125 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जाकर रतननगर को न केवल आकर्षण का केन्द्र बनाया जा रहा है बल्कि रतननगर की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने के उद्देश्य से हेरिटेज लुक दिया जा रहा है।

ब्राह्मण छात्रावास एवं शिक्षण संस्थान की भूमि आवंटन के लिए ज्ञापन सौंपा

झुंझुनूं, (निसं)। विप्र फाउंडेशन झुंझुनूं ने ब्राह्मण छात्रावास व शिक्षण संस्थान के लिए जिला कलेक्टर व नगर परिषद आयुक्त को जिलाध्यक्ष गोविंदशरण पारीक के नेतृत्व में ज्ञापन दिया।

विप्र फाउंडेशन प्रदेश संरक्षक शिवचरण पुरोहित ने बताया कि विप्र फाउंडेशन वर्ष 2010 से सोसाइटीज एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत सामाजिक सेवा संस्था है। शिक्षा के क्षेत्र मे काम करना

- दो हजार वर्ग मीटर भूमि टोकन शुल्क पर उपलब्ध करवानक की मांग

हमारी प्राथमिकता है। वर्तमान में उदयपुर में संस्था की एक कॉलेज चल रही है तथा जयपुर मे 5000 स्क्वायर फीट के सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च का निर्माण लगभग पूर्णत: हो चुका है। संस्था ने राजस्थान के हर जिला मुख्यालय पर छात्रावास व शिक्षण संस्थान का निर्माण करने का निर्णय किया है।

ज्ञापन मे अनुरोध किया गया है कि विप्र फाउंडेशन झुंझुनूं को छात्रावास एवं

जिलाध्यक्ष गोविंदशरण पारीक के नेतृत्व में विप्र फाउंडेशन के सदस्यों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

शिक्षण संस्थान गतिविधियों के संचालन के लिए दो हजार वर्ग मीटर भूमि टोकन शुल्क पर उपलब्ध करवाई जाए ताकि फाउंडेशन द्वारा यथाशीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ हो सके। इस अवसर पर गौड़ ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष सीताराम शर्मा भूदा का बास, विप्र फाउंडेशन जिला महामंत्री योगेश चौमाल, एडवोकेट सुशील कुमार जोशी, एडवोकेट कमलकुमार शर्मा, भरत शर्मा, रामचंद्र पाटोदा, एडवोकेट सुरेश पुरोहित आदि विप्रबंधु उपस्थित थे।

राजस्थान मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किढ़वाना, (झुंझुनूं)

क्रमांक:-/लेखा/23/15 दिनांक 22.03.2023

निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2023-24 में अस्पताल एवं अस्पताल परिसर में साफ-सफाई हेतु 02 पुरुष एवं 01 महिला मय सफाई सामग्री हेतु मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 240000/- रूपये है। निविदा शुल्क 200 रुपये तथा अमानत राशि 4800 रुपये है। ईच्छुक पंजीकृत फर्म, पंजीकृत ठेकेदार, सेवा प्रदाता एजेंसी निविदा शुल्क नकद जमा करवा कर दिनांक 31.03.2023 को सुबह 10 बजे तक कार्यालय से निविदा फॉर्म प्राप्त कर सकते है। पूर्ण रूप से भरा हुआ निविदा फॉर्म दिनांक 31.03.2023 को दोपहर 12 बजे तक जमा करवा सकते है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 31.03.2023 को दोपहर 03 बजे निविदा कमेटी के द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोला जावेगा। अमानत राशि का डीडी, सचिव, आरएमआरएस किढवाना के पक्ष में देय संलग्न करना अनिवार्य है। विलम्ब से तथा बिना अमानत राशि व अपूर्ण फॉर्म पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तें कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। स्थानीय एजेन्सी को प्राथमिकता दी जावेगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताए अस्वीकार/स्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। अंतिम निर्णय कमेटी का मान्य होगा।

सचिव आरएमआरएस
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किढवाना

गुढ़ागौड़जी से मझाऊ तक रथयात्रा के साथ सांगलिया पीठाधीश्वर ओमदास महाराज का भव्य अभिनंदन

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। सांगलिया पीठाधीश्वर ओमदास महाराज का गुढागौड़जी आगमन पर जगह-जगह भव्य अभिनंदन किया गया। भैरू कॉलोनी से मझाऊ स्थित संतोष विला भवन तक महंत ओमदास महाराज को रथ में बैठाकर डीजे व 50-60 गाड़ियों के काफिले के साथ नाचते गाते हुए उनके अनुयायियों ने भव्य रथ यात्रा निकाली। रथयात्रा का ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ अभिनंदन किया गया।

गौरतलब है कि ओमदास महाराज मझाऊ गांव में स्थित सुलतान सिंह देवठिया के नवनिर्मित भवन संतोष विला के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुढ़ागौड़जी स्थित भैरूं कॉलोनी पहुंचे। जहां से उनके सम्मान में गाजे-बाजे के साथ उनके अनुयायियों द्वारा भव्य कलश यात्रा शुरू हुई। जो 13 किलोमीटर दूर स्थित मझाऊ के संतोष विला भवन तक पहुंची। भोडकी गांव में सिंगनौर रोड़ पर स्थित मांगू दास आश्रम में ओमदास

सांगलिया पीठाधीश्वर ओमदास महाराज का गुढ़ागौड़जी आगमन पर जगह-जगह अभिनंदन किया।

महाराज ने ब्रह्मलीन संतों को पुष्पमाला अर्पित की। सांगलिया धूणी के भजनों पर महाराज के अनुयाई झूम उठे। देव बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. राकेश देवठिया ने बताया कि उन्होंने अपने स्वर्गीय माता संतोष देवी के नाम पर संतोष विला भवन का निर्माण करवाया था। जिसका बुधवार को सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज के सानिध्य में गृह प्रवेश किया गया।

संतोष विला में महंत ओमदास महाराज का 21 किलो की फूल माला से भव्य अभिनंदन किया गया। गृह प्रवेश कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद का भोग लगाकर उपस्थित जनसमुदाय को प्रसाद

- रथ यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

वितरण किया गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता डॉ. हरिसिंह गोदारा, सुनील धींवा, भाजपा नेता रवि सैनी, सुभाष बुनकर, महेश जाखड, सरपंच करणीराम परसरामपुरा, शीशराम टीटनवाड़, अरविंद गुढा, ओमप्रकाश माहिच, नर्सिंग ऑफिसर मुकेश लूनियां, राजेश माहिच, राजीव दायमा, विकास देवठिया, स्वार्थमल देवठिया, पालेराम देवठिया, पूर्व सरपंच शीशराम गोदारा, रिछपाल देवठिया, एडवोकेट वीरेंद्र वर्मा, अध्यापक जगदीश कांटीवाल, बीसीएमओ डॉ. मुकेश भूपेश, सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख तहसील की विभिन्न माँगो को लेकर भाजपा नेता कृष्ण भाकर के नेतृत्व में सिद्धमुख तहसीलदार बबीता ढिल्लो के मार्फत तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया एवं राजगढ विधायिका कृष्णा पूनिया एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में सिद्धमुख में एसडीएम कार्यालय खोला जाने, सिद्धमुख क्षेत्र में पीने के पानी की कमी को दूर दिया जाने, गाँव चाहरवाला को दयावठ-बिरमी 4 किलोमीटर सडक से जोडा जाने, काजंण में 12वी साइसं का राजकीय विद्यालय करवाने, मलवास में 12वीं का राजकीय विद्यालय करवाने, जोधावास में 1०वीं का राजकीय विद्यालय करवाने, कुसुम्बी से जोधावास सडक जोडा जाए की माँग की गई। इस मौके पर अर्जुनसिंह मलवास, छात्र नेता मुकेश गोस्वामी, अनिल सिहाग रामसरा, योगेंद्र चाहरवाला सहित क्षेत्र के अनेक युवा मौजूद रहे।

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, तृतीय मंजिल, मैट्रिक्स मॉल सेक्टर-4, जवाहर नगर, जयपुर (राजस्थान)- 302004
ई-मेल: sbi.18184@sbi.co.in, शाखा कोड: 18184
फोन: 0141-2657811, 2657921, 2657926, 2657989

परिशिष्ट - IV क (नियम 8(6) का परन्तुक देखें)
अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूतहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता **ऋणी/जमानतदार राज ट्रेडिंग कम्पनी जरिये प्रोपराईटर श्री राज केडिया पुत्र श्री हीरा लाल केडिया एवम जमानती श्रीमती द्रोपदी केडिया पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल केडिया** को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधकशुदा है, का वास्तविक कब्जा प्रतिभूत लेनदार भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, को **"जहां है", "जैसी है", और "जो कुछ भी है" और "दायित्वरहित"** के आधार पर दिनांक **28.04.2023** को विक्रय किया जाएगा। प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि **रू. 63,71,469.26 (अक्षरे तिरेसठ लाख इकहतर हजार चार सौ उनहत्तर रूपए पैसे छब्बीस मात्र)** दिनांक 20.03.2023 तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे अतिरिक्त जो कि **ऋणी/जमानतदार राज ट्रेडिंग कम्पनी जरिये प्रोपराईटर श्री राज केडिया पुत्र श्री हीरा लाल केडिया एवम जमानती श्रीमती द्रोपदी केडिया पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल केडिया** से संबंधित है। आरक्षित मूल्य और अग्रिम राशि निम्न तालिका अनुसार होगी। धरोहर राशि बैंक/एमएसटीसी की वेब साइट पर दी गई प्रकिया ई-नीलामी बंद होने से पूर्व जमा कराई जा सकती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण	1. आरक्षित मूल्य 2. धरोहर राशि	समय
लॉट-अ- श्रीमती द्रोपदी केडिया पत्नी स्व. श्री के.एल. केडिया के नाम आवासीय प्लाट नं. एच-27, इंदिरा नगर कॉलोनी, रोड़ नं. 01, स्टेशन रोड़, झुंझुनू, जिला झुंझुनू (राज.) स्थित भूमि एवम भवन जिसका क्षेत्रफल बैंक रिकॉर्ड के अनुसार 260.13 वर्ग मीटर है। **व जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार है-** पूर्व में प्लाट नं. एच-26, पश्चिम में प्लाट नं. एच-28, उत्तर में सड़क, दक्षिण में प्लाट नं. एच-08 CERSAI ID: 200009669949	1. रू. 1,08,00,000.00 2. रू. 10,08,000.00	प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक
लॉट-ब- श्रीमती द्रोपदी केडिया पत्नी स्व. श्री के.एल. केडिया के नाम आवासीय प्लाट नं. एच-08, इंदिरा नगर कॉलोनी, रोड़ नं. 01, स्टेशन रोड़, झुंझुनू, जिला झुंझुनू (राज.) स्थित भूमि एवम भवन जिसका क्षेत्रफल बैंक रिकॉर्ड के अनुसार 418.06 वर्ग मीटर है। **व जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार है-** पूर्व में प्लाट नं. एच-09, पश्चिम में प्लाट नं. एच-07, उत्तर में प्लाट नं. एच-27, दक्षिण में सड़क CERSAI ID: 200009669565	1. रू. 2,83,00,000.00 2. रू. 28,30,000.00	दोपहर 2:00 बजे से सांय 4:30 बजे तक

(यदि लॉट-अ ई-नीलामी में सफलतापूर्वक विक्रय हो जाता है तो लॉट-ब की ई-नीलामी नहीं करी जाएगी)
अन्य ऋण भार - ज्ञात नहीं।

इच्छुक बोलीदाता एमएसटीसी के पास प्री-बिड ईएमडी की राशि ई-नीलामी बंद होने से पूर्व जमा कर सकते हैं। एमएसटीसी के बैंक खाते मे भुगतान की प्राप्ति और ई-नीलामी वेबसाइट में ऐसी जानकारी को अपडेट करने के बाद ही बोलीदाता को प्री-बिड ईएमडी का क्रेडिट दिया जाएगा। इन कार्यवाहियों को अद्यतन/अपडेट होने में बैंकिंग प्रकिया के अनुसार कुछ समय लग सकता है और इसलिए बोलीदाताओं को उनके स्वयं के हित मे सलाह दी जाती है कि अंतिम समय की किसी भी समस्या से बचने के लिए बोली पूर्व ईएमडी राशि पर्याप्त समय रहते जमा करें।

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए **भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (एसएआरबी), जयपुर (राज.)** प्रतिभूत लेनदार की वेबसाईट https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news/auction-notices/sarfaesi-and-others तथा https://ibapi.in/sale_Info_home.aspx पर देखें।

दिनांक : 20.03.2023
स्थान : जयपुर (राज.)

प्राधिकृत अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक

सुजानगढ़ को जिला बनाने के लिए किए जा रहे आन्दोलन की आंच दिल्ली तक पहुंची

दिल्ली एन.सी.आर. में रहने वाले सुजानगढ़ के लोगों ने अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन दिया

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ को जिला बनाने के लिए किए जा रहे आन्दोलन की आंच दिल्ली तक पहुंच गई है। सांसद राहूल कस्वां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिख कर सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को अपना समर्थन दिया है। इसके साथ ही लगातार पांचवें दिन सुजानगढ़ के बाजार बंद रहे तथा सुजानगढ़ के रास्ते बंद रहे। सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर किए जा रहे आन्दोलन के पांचवे दिन भी सभी मार्गों के साथ बाजार बंद रहे। अघोषित लॉकडाउन का असर नजर आने लगा है। शहर की सडकें सूनी और जनजीवन ठहरा हुआ नजर आने लगा है।

बोबासर पुलिया, छापर तिराहे पास चल रहे जाम एवं प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को दोहराया गया। इस दौरान अनेक शहरवासी उपस्थित थे। वहीं पर्याप्त संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। बुधवार शाम आंदोलन स्थल पर पार्षद मनोज पारीक, पार्षद हरिओम खोड, पार्षद मिनाक्षी स्वामी, रामनिवास बुगालिया, पार्षद पुरूषोत्तम शर्मा अपने वार्डवासियों के साथ तिरंगा यात्रा निकालते हुए बोबासर पुलिया पहुंचे। बोबासर पुलिया पर सम्बोधित करते हुए हरिओम खोड ने कहा कि जब तक सुजानगढ़ जिला नहीं बनेगा वे अपने सर से काला दुपट्टा नहीं हटायेंगे। वहीं पार्षद मनोज पारीक, नरेन्द्र गुर्जर, पुरूषोत्तम शर्मा, प्रेमप्रकाश स्वामी ने जिले की मांग का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री से तत्काल जिले की घोषणा करने की मांग की।

आज से 6 घंटे के लिये खुलेंगे बाजार:- व्यापारिक संगठनों व जनहित्त संघर्ष मोर्चा की संयुक्त बैठक के बाद गुरूवार से 6 घंटे के लिये बाजार खोलने का निर्णय लिया गया है। आंनद माण्डिया ने बताया कि सावों की सीजन होने के कारण स्थानीय लोग परेशान हो रहे थे। जिसके बाद पिछले पांच दिनों से बंद बाजार को 6 घंटे खोलने का निर्णय लिया है।

खड़गे को दिया ज्ञापन:- दिल्ली एनसीआर में रहने वाले सुजानगढ़ के लोगों ने अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंच कर सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद सभी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर पहुंच कर उनके सीनियर पीएस राजीव सक्सेना को ज्ञापन दिया। इस दौरान प्रदर्शन करने वालों में मनोज पारीक, हरिशंकर कुदाल, ओमप्रकाश पारीक, मुकेश कुमार बागडा, शिव भराडिया, महावीर प्रसाद, तपन जैन, कानाराम, जगदीश प्रसाद, नरेंद्र पारीक सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर पांचवे दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान सभी मार्ग बंद रहे।

- **गांधी आश्रम के अध्यक्ष सुभाष बेदी दिल्ली स्थित राष्टपिता महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर एक दिवसीय अनशन करेंगे**
- **पांच दिन के आंदोलन के बाद सांसद राहुल कस्वां ने मुख्यमंत्री गहलोत को लिखा पत्र**
- **लगातार पांचवें दिन सुजानगढ़ के बाजार बंद रहे तथा सुजानगढ़ के रास्ते बंद रहे**

राजघाट पर अनशन करेंगे बेदी:- सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग के समर्थन में गांधी आश्रम के अध्यक्ष सुभाष बेदी दिल्ली स्थित राष्टपिता महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर एक दिवसीय अनशन करेंगे। बेदी ने बताया कि वे जयपुर जाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग करेंगे तथा आवश्यक दस्तावेज उन्हे सौंपेंगे। इसके बाद जयपुर में मीडिया से रूबरू होंगे। तत्पश्चात वे दिल्ली पहुंच कर राष्टपिता महात्मा गांधी की समाधि पर अनशन करेंगे तथा कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात कर सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग करेंगे।

अनशनकारियों ने मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिख मालपुरा को जिला बनाने की मांग की

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर मंगलवार को एसडीएम आवास के सामने आमरण अनशन व धरने पर बैठे युवाओं का अनशन व धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को अनशन व धरने पर बैठे युवा कमलेश कुमार सैनी, भडाना व प्रधान जाट ने मुख्यमंत्री को अपने खून से पत्र लिखते हुए कहा कि अपनी जन्म व कर्मभूमि की रक्षा एवं मालपुरा के अस्तित्व को बचाने के साथ-साथ मालपुरा को जिला बनाने के लिए उनके खून का हर एक कतरा हंसते-हंसते न्यौछावर कर देंगे। यदि समय रहते मुख्यमंत्री ने मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा नहीं की तो वो अन्न के बाद जल का भी त्याग कर देंगे चाहे उनके प्राण ही क्यों न निकल जाये।

अनशन व धरने पर बैठे युवाओं के समर्थन में जनसंख्या नियंत्रण फाउण्डेशन शाखा मालपुरा के इन्द्र कुमार सोनी व उनकी टीम ने धरना स्थल पर पहुंच अपना समर्थन दे जिला बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। अभिभाषक संघ मालपुरा ने बुधवार को एक दिन का कार्य स्थगित रख अनशनकारी युवाओं को समर्थन दे प्रदेश की गहलोत सरकार के विरूद्ध जमकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर सीएम के नाम एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंपा।

संघ अध्यक्ष व राज्य सरकार द्वारा नगरपालिका में मनोनीत सहवृत्त पार्षद प्रेम प्रकाश सैनी की अगुवाही में वकीलों ने प्रदर्शन किया। देर शाम को मुख्यमंत्री के विरूद्ध आक्रोश जताते हुए युवाओं ने सैंकडों की संख्या में शहर में कैण्डल मार्च निकाल जिला बनाने की मांग की। अनशकारी युवाओं के मंच पर पहुंचे मास्टर महफुज अली, रामप्रसाद जाट, अरविन्द चौधरी ने सीएम को पत्र लिखने के लिए आगे बढ़कर अपना खून दिया।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर युवाओं ने खून से सीएम को पत्र लिखा।

- **अनशनकारियों ने कहा कि यदि समय रहते मुख्यमंत्री ने मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा नहीं की तो वो अन्न के बाद जल का भी त्याग कर देंगे**
- **संघ अध्यक्ष व सरकार द्वारा पालिका में मनोनीत सहवृत्त पार्षद की अगुवाई में वकीलों ने प्रदर्शन किया**

सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए जयपुर में धरना दिया

सांभरझील, (निसं)। सांभर जिला बनाओ समिति के संरक्षक सलाहकार कुलदीप व्यास व संयोजक विवेक कुमार के नेतृत्व में भाजपा जयपुर जिला देहात के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत की मौजूदगी में हजारों क्षेत्रवासियों ने बुधवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दिया।

उपखंड सांभर को जिले का हक नहीं देकर ग्राम पंचायत दूदू को जिले का दर्जा दिए जाने पर सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। विशाल आमसभा को सांभर, फुलेरा, रेनवाल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों ने संबोधित किया। सांभर फुलेरा को अब संयुक्त रूप से जिले की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत फुलेरा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज अहूजा, दीनदयाल कुमावत, पूर्व में 7 दिन तक अनशन कर चर्चा में आए एडवोकेट कानाराम कुमावत, नागरिक विकास समिति के सचिव अनिल कुमार गट्टानी, प्रधान सहदेव गुर्जर सहित अनेक ने अपने उद्बोधन में सरकार से प्रबल तरीके से हक के लिए आवाज उठाई।

- **जिले की मांग को लेकर चार दिन से सांभर के सभी बाजार बंद है**

उल्लेखनीय है कि जिले की मांग को लेकर लगातार चार दिनों से सांभर के सभी बाजार बंद है। व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है। क्षेत्र के हजारों लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन सरकार का कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल रहा है। देर रात तक तक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शिष्टमंडल की मुलाकात नहीं हो सकी। समिति के पदाधिकारियों को विश्वास है कि सीएम गहलोत उनकी बात को सुनकर सांभर के हक में कोई निर्णय लेंगे तथा क्षेत्रवासियों की मांग को पूरा करेंगे, जब तक कुछ सकारात्मक बात सामने नहीं आएगी। बताया जा रहा है कि आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर सांभर, फुलेरा, रेनवाल व्यापार मंडल, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, भाजपा कांग्रेसी के नेताओं, हजारों की संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शिष्टमंडल की मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने आश्वस्त किया कि कमेटी के अध्यक्ष राम लुभाया जी अभी 2 दिन के दौरे पर बाहर है उनके आने के पश्चात शीघ्र ही सांभर के हित में कोई निर्णय लिया जाएगा।

पति ने पत्नी पर किया हमला, मौत

खाटूश्यामजी, (निसं)। थाना अंतर्गत लामिया ग्राम की पावंडिया की ढाणी निवासी महावीर पुत्र दुर्गा प्रसाद काजला ने अपनी पत्नी नंदी देवी पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया। जिसके कारण 45 वर्षीय नंदी देवी की मौत हो गई। परिजन मृतका को लेकर खाटूश्यामजी सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव मय टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मृतका के जेठ गोपाल सिंह काजला ने अपने भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया कि महावीर ने सिर पर हमला कर चोट पहुंचाई है। पीहर पक्ष के आने के बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

पुष्कर पालिकाध्यक्ष को हाईकोर्ट से झटका

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर नगर पालिका अध्यक्ष कमल पाठक द्वारा खुद के विरुद्ध पद के दुरुपयोग को लेकर ढाई वर्ष पूर्व राजस्थान उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका को उच्च न्यायालय की एकल पीठ जयपुर ने याचिका की पूर्ण सुनवाई कर 20 मार्च 2023 को निर्णय पारित कर यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता ने अपूर्ण (अन मेच्योर) आधारों पर रिट याचिका दायर की है जो कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय केस में विचारणीय नहीं है। साथ ही न्यायालय ने अपने आदेश में याचिकाकर्ता को उसके विरुद्ध पद दुरुपयोग के आरोपों को लेकर जारी कारण बताओं नोटिस में अपना पक्ष रखने की पूर्ण अधिकारिता होते हुए सीधे ही रिट याचिका दायर करना अनुचित माना है।

- **निलंबन की तलवार लटकी**

जानकारी के अनुसार उक्त मामले में पुष्कर के कांग्रेस पार्षदों ओम डोल्या, सम्रता पाराशर आदि ने पालिका अध्यक्ष कमल पाठक के विरुद्ध पद का दुरुपयोग कर बोर्ड में खुद की होटल का नक्शा पास कर लेने की मुख्यमंत्री व स्वायत्त शासन मंत्री को की गई शिकायत पर जांच कमेटी ने पालिका अध्यक्ष कमल पाठक सहित तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी शशिकांत शर्मा को दोषी ठहराया गया था। जिस पर निदेशक स्थानीय निकाय विभाग ने दोनों को पालिका एक्ट की धारा 39 के तहत पद का दुरुपयोग मानते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। पालिका अध्यक्ष कमल पाठक ने कारण बताओ नोटिस का समयावधि में जवाब न देकर सीधे ही नोटिस के विरुद्ध उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अंतरिम राहत ले ली थी। जिसे उच्च न्यायालय ने उक्त रिट याचिका को अन मेच्योर आधारों पर प्रस्तुत करना मानते हुए खारिज कर दिया है। उक्त आदेश के बाद अब एक बार फिर पालिका अध्यक्ष कमल पाठक के ऊपर पद दुरुपयोग को लेकर निलंबन की तलवार लटक गई है। उधर कमल पाठक की ओर से अरुण वैष्णव ने बताया कि वकीलों की हड़ताल के चलते यह आदेश पारित हुआ है। डबल बेंच में चुनौती दी जाएगी।

मृत्यु भोज बंद करने का निर्णय

निवाई, (निसं)। मुस्लिम लोहार समाज ने मृत्यु भोज फातिया नुक्ता को बंद करने का निर्णय लिया है। ग्रीन पार्क कॉलोनी में निवाई नोजवान कमेटी द्वारा लोहार समाज की मीटिंग आयोजित की गई। मिटिंग की सदारत ईशाक मुगल ने की। मीटिंग में निवाई लोहार समाज के पंच पटेलों ने मृत्यु भोज व शादियों में फिजूलखर्ची सहित अन्य कई सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की गई।

मीटिंग में उपस्थित पंच पटेलों सहित समाज के लोगों ने मृत्यु भोज व शादियों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का निर्णय लिया। वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि किसी के भी परिवार में मौत होने पर वह व्यक्ति मृत्यु भोज नहीं करेगा।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार एक छात्र की मौत

खैरथल, (निसं)। कस्बे के बानसूर रोड पर बुधवार को बोर्ड परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों की बाइक तेज़ गति से आ रही पिकअप से टकरा जाने से एक छात्र सचिन की मौत हो गई जबकि सतेंद्र व मनीष छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल छात्रों को अलवर के जिला अस्पताल के लिए रैफर किया गया है। टक्कर मारने वाली पिकअप का चालक वाहन सहित मौके से भाग गया।

पुलिस ने बताया कि खैरथल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र दांतला निवासी सचिन पुत्र दिनेश जाटव (17), वल्लभग्राम निवासी मनीष पुत्र रहमत (17) और ईपी के पास सिवाना रोड निवासी सतेंद्र पुत्र भूपेंद्र बोर्ड परीक्षा केंद्र गांव मातौर में परीक्षा देकर बाइक से लौट रहे थे कि आदर्श विद्या मंदिर के पास खैरथल की तरफ से जा रही पिकअप टक्कर मार कर मौके से भाग गया। तीनों छात्रों को तुरंत खैरथल के राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय में पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने दांतला निवासी सचिन को मृत घोषित कर दिया जबकि सतेंद्र व मनीष को जिला अस्पताल अलवर के लिए रैफर कर दिया गया।

- **दो गंभीर घायल, चालक मौके से भागा**
- **बोर्ड परीक्षा देकर बाइक से लौट रहे थे छात्र**

मृतक छात्र सचिन के पिता दिनेश जाटव की ओर से पिकअप चालक के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया और मौके से भागने वाले चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पिकअप-ट्रक की भिड़ंत में पिकअप चालक की मौत

लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना क्षेत्र के बॉर्डर स्थित मोरल पुलिया के पास कोटा मेगा हाईवे पर बुधवार शाम को पिकअप एवं ट्रक की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में पिकअप चालक की मौके पर मौत हो गई एवं ट्रक चालक व पिकअप में बैठा खलाशी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों द्वारा हायर सेंटर पर रेफर किया गया है।

- **ट्रक चालक व पिकअप में बैठा खलाशी गंभीर रूप से घायल**
- **केबिन में फंसे शव को मशक्कत कर निकाला बाहर**

सड़क दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि पिकअप चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया एवं मंडावरी थाना पुलिस द्वारा ग्रामीणों की सहायता से बड़ी मशक्कत के बाद शव को निकाला गया। टक्कर के बाद पिकअप में भरे खरबूजे सड़क पर चारों तरफ फैल गए इससे यातायात बाधित हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सबसे पहले एंबुलेंस 108 मौके पर पहुंची इसके बाद मंडावरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

वहीं घायलों को 108 एंबुलेंस के ईएमटी चंद्र शेखर शर्मा एवं पायलट रमेश शर्मा द्वारा इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगडी मंडावरी पहुंचाया गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा सड़क पर पहले खरबूजे एवं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को साइड में कराकर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल ने घटनास्थल जायजा लिया। मिली जानकारी के अनुसार पिकअप खरबूजे भरकर लालसोट की ओर जा रही थी एवं सामने से ही आ रहे एक ट्रक से भिड़ जाने के कारण यह है सड़क दुर्घटना घटित हुई। वहीं शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है एवं मृतक परिजनों को सूचना दी गई है।

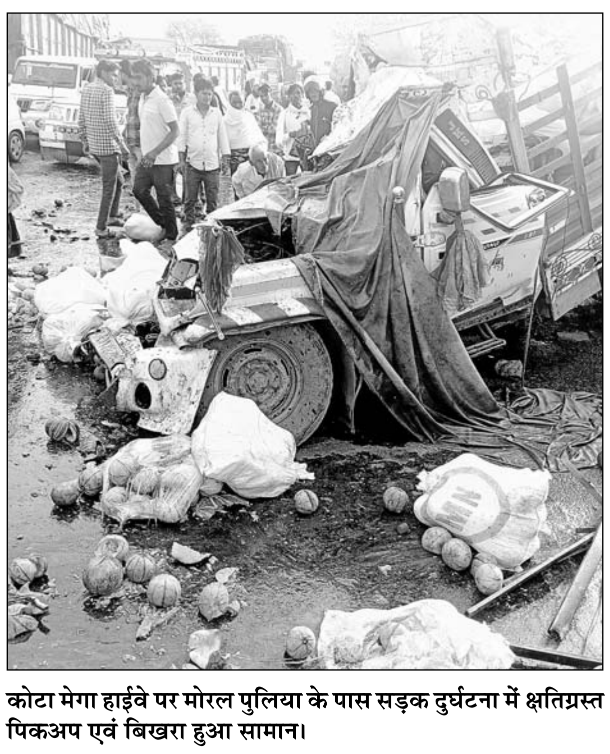

कोटा मेगा हाईवे पर मोरल पुलिया के पास सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त पिकअप एवं बिखरा हुआ सामान।

साढ़े तीन लाख रूपये की रिश्वत लेते ए.एस.आई. रंगे हाथों गिरफ्तार

सदर बाजार थानाधिकारी को भी संदिग्ध भूमिका पर गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोध ब्यूरो जोधपुर ने मंगलवार की रात को सदर बाजार थाने के एएसआई नंदकिशोर को साढ़े तीन लाख रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इसमें थानाधिकारी की संदिग्ध भूमिका आने उन्हें भी देर रात गिरफ्तार लिया गया। इधर बुधवार सुबह एसीबी की टीम ने सदर बाजार थाना क्षेत्र की सोजती गेट चौकी पर फिर से कार्रवाई आरंभ करते हुए दस्तावेजों की जांच पड़ताल की।

थानाधिकारी सुरेश पोटलिया के पास रखे परिवादी के परिवाद और दस्तावेजों को एसीबी ने जब्त कर लिया। वहीं थानाधिकारी के खिलाफ कुछ और लोग भी शिकायत लेकर पहुंचे है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक परिवादी ने मामला दर्ज करवाया गया था। इसके अनुसार उसे सटोरियों द्वारा जानमाल की धमकी दे रहे हैं साथ ही उसका अपहरण की धमकी दी गई। इस बारे में उसने पुलिस आयुक्त को तीन चार दिन पहले परिवाद दिया था। जिस पर पुलिस आयुक्त की तरफ से मार्क कर उसे जांच के लिए सदर बाजार थाने भिजवाया गया था और थानाधिकारी कार्रवाई करने के लिए कहा गया था। मंगलवार को सदर बाजार थानाधिकारी सुरेश पोटलिया की तरफ से परिवादी को बुलाया गया था जहां पर पांच लाख रूपयों की डिमाण्ड की गई। तब एएसआई नंदकिशोर को इसका जिम्मा दे दिया गया।

- **सोजती गेट चौकी पर एसीबी टीम द्वारा जांच पड़ताल की गई**

परिवादी जब एएसआई नंदकिशोर से मिला तो उसे पांच लाख रूपयों की बात को दोहराया गया। इस पर बाद में ले देकर मामला 3.5 लाख में तय किया गया। मंगलवार की रात में एएसआई नंदकिशोर को रिश्वत देने की बात तय हो गई। जैसे ही परिवादी ने एएसआई को रिश्वत की राशि दी, इशारा मिलने पर ब्यूरो की टीम ने दबिश दी और एएसआई को रंगे हाथों पकड़ लिया। मामले में सदर बाजार थानाधिकारी की भूमिका संदिग्ध मिली है। उनकी एएसआई से लेनदेन को लेकर वाट्सअप कालिंग की रिकॉर्डिंग हाथ लगी है। जिसमें रिश्वत राशि का जिक्र किया गया। एएसआई द्वारा साफ तौर पर रूपयों की लेन देन की बात की जा रही है।

ब्यूरो के एएसपी डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि देर रात थानाधिकारी सुरेश पोटलिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। सोजती गेट चौकी पर अभी टीम द्वारा जांच पड़ताल चल रही है। कुछ और लोग भी थानाधिकारी के खिलाफ शिकायत लेकर आए है। जिस पर भी विचार कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पी.डब्ल्यू.डी. विभाग का अधिकारी छह लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने पीडब्ल्यूडी विभाग में क्वालिटी कंट्रोल अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात रामेश्वर सिंह जाटव को छह लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी रामेश्वर सिंह ने एक बार ढाई लाख रुपए तो एक बार डेढ लाख रुपए की रिश्वत ली थी।

एसीबी को पीडब्ल्यूडी विभाग के क्वालिटी कंट्रोल विभाग में तैनात अधीक्षण अभियंता रामेश्वर सिंह जाटव द्वारा छह लाख की रिश्वत मांगने की शिकायत मिली। इस पर एसीबी ने मामले का सत्यापन करवाया, मामला सही पाया गया। एसीबी के अधिकारियों ने कांट्रेक्टर को छह लाख रुपए देकर रामेश्वर सिंह के पास भेजा।

अलवर सरस डेयरी के पास कांट्रेक्टर ने रामेश्वर सिंह को छह लाख रुपए की रिश्वत दी। इसके बाद तुरंत एसीबी की टीम ने रामेश्वर सिंह को रिश्वत की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले रामेश्वर सिंह चार लाख रुपए रिश्वत ले चुका है। उसके खिलाफ लंबे समय से रिश्वत की शिकायतें मिल रही थी।

रिश्वतखोर अधिकारी

- **पहले भी दो बार ले चुका है चार लाख की रिश्वत, कई दिनों से मिल रही थी घूसखोरी की शिकायत**

‘भर्तियां विवादित प्रश्न-उत्तरों में अटक जाती हैं, ऐसे आर.पी.एस.सी. को चलाने का क्या औचित्य?’

राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2018 के विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में मौखिक टिप्पणी की

- ‘आर.पी.एस.सी के कैसे विशेषज्ञ हैं, जिन्हें पता नहीं कि वे क्या ओपिनियन दे रहे हैं’
- कोर्ट ने आर.पी.एस.सी से पूछा है कि विशेषज्ञ कमेटियों के एक्सपर्ट की योग्यता व उनका ब्यौरा किस कानून में गोपनीय रखा जाता है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2018 के विवादित प्रश्नों से जुडे मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि आरपीएससी के कैसे विशेषज्ञ हैं, जिन्हें पता नहीं कि वे क्या ओपिनियन दे रहे हैं। इससे तो बेरोजगार युवाओं को परेशान किया जा रहा है। पहले तो भर्तियां होती नहीं हैं और होती हैं तो वे विवादित प्रश्न-उत्तरों में अटक जाती हैं। ऐसे में आरपीएससी चलाने का औचित्य क्या रह जाता है। इसके साथ ही अदालत ने एएजी एसएस राघव से विषय वार बताने को कहा है कि भर्ती में कितने पद थे और कितने पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। वहीं आरपीएससी से पूछा है कि विशेषज्ञ कमेटियों के एक्सपर्ट की योग्यता व उनका ब्यौरा किस कानून में गोपनीय रखा जाता है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश हेमराज रोदिया व अन्य की याचिकाओं पर दिए। इसके साथ ही अदालत ने 29 मार्च को आरपीएससी के अधिकारी को पेश होने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि विषय विशेषज्ञों से ही प्रश्न-उत्तरों की जांच करवाई जानी चाहिए, लेकिन आरपीएससी कभी यह नहीं बताता कि उन्होंने किन एक्सपर्ट से मामले की जांच कराई है। इसलिए मामले की एक्सपर्ट कमेटियों के विशेषज्ञों की जानकारी भी बतानी चाहिए। भूगोल, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, राजनीति विज्ञान, हिंदी, इतिहास व चित्रकला विषय की इस भर्ती में आयोग को एक्सपर्ट कमेटी से विवादित प्रश्नों की जांच करवानी थी, लेकिन अदालती आदेश के बाद भी उत्तर कुंजी में बदलाव नहीं किया गया। वहीं आयोग की ओर से अधिवक्ता एमएफ बेग ने बताया कि आरपीएससी सचिव के ट्रेनिंग प्रोग्राम में मंसूरी जाने के कारण वे पेश नहीं हुए हैं। इसके अलावा मामले का पुनः परीक्षण कराया जा रहा है। इस पर अदालत ने आरपीएससी और राज्य सरकार को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र और राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र ने बुधवार को नव संवत्सर 2080 और चैत्र नवरात्रि के आरम्भ पर राजभवन स्थित राज राजेश्वर मंदिर में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। उन्होंने देवी आराधना कर सभी की खुशहाली, सम्पन्नता और बेहतरी के लिए कामना की। राज्यपाल कलराज मिश्र ने चेटीचण्ड पर्व (23 मार्च) के अवसर पर भी देश और प्रदेशवासियो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भगवा रैली में लहराई 1100 ध्वज पताकाएं

जयपुर। सीकर रोड ढहर के बालाजी स्थित सियारामदासजी की बगीची से बुधवार को 1100 ध्वज पताकाओं के साथ शोभायात्रा निकली। मंदिर के महंत सियारामदास महाराज ने पूजन कर शोभायात्रा को रवाना किया। जय श्रीराम के जयकारों के साथ शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा में कुछ लोग दुपहिया और चौपहिया वाहनों पर भी थे। अधिकांश लोग पैदल चल रहे थे। शोभायात्रा के खेतान चौराहा पहुंचने पर विहंगम दृश्य बन गया। व्यापारियों ने पुष वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। पथ नंबर सात, प्रतापनगर चौराहा, केडिया पैलेस होते हुए शोभायात्रा मुरलीपुरा सर्किल पहुंची। सर्व समाज की ओर से निकाली गई भगवा रैली आतिशबाजी आकर्षण का केन्द्र रही। विधायक नरपत सिंह राजवी, कांग्रेस के प्रदेश कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग रैली में शामिल हुए।

विद्यालय प्रबंधन समितियां पुरस्कृत

जयपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के प्रबंधन एवं विकास में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली एसएमसी (स्कूल प्रबंधन समिति) एवं एसडीएमसी (शाला विकास एवं प्रबंधन समिति) को बुधवार को यहां शिक्षा संकुल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअल कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के मुख्य आतिथ्य और शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती जाहिदा खान की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी 33 जिलों से राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित एक-एक एसएमसी एवं एसडीएमसी के नामों की घोषणा की गई। इन समितियों में से प्रत्येक को एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई है। समितियों के खातों में कुल 66 लाख रुपये की राशि का हस्तांतरण ऑनलाइन किया जा रहा है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों के विकास एवं संवर्द्धन में एसएमसी एवं एसडीएमसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से नवाचारों की संवाहक बनें। विद्यालयों में एसएमसी एवं एसडीएमसी की स्थापना और सर्वश्रेष्ठ समितियों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत करने की योजना इसी परिकल्पना पर आधारित है।

आदेश की पालना नहीं करने पर कोर्ट नाराज

- रिश्वत मामले में गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी सवाई माधोपुर नगर परिषद के चेयरमैन को निलंबित नहीं करने के खिलाफ दायर याचिका में राज्य सरकार ने जवाब पेश नहीं किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत मामले में गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी सवाई माधोपुर नगर परिषद के चेयरमैन को निलंबित नहीं करने के खिलाफ दायर याचिका में राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा की 6 अप्रैल तक जवाब पेश किया जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने स्वायत्त शासन निदेशक को पेश होकर जवाब देने को कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश तूफान सिंह व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता आरके गौतम ने अदालत को बताया कि नगर परिषद चेयरमैन विमल चंद महावर को रिश्वत मामले में रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। एसीबी में मामला दर्ज होने के बाद 21 अक्टूबर को महावर को जेल भेज दिया गया। वहीं प्रकरण में आरोप पत्र पेश होने के बाद 21 दिसंबर को उन्हें जमानत मिल गई। जमानत पर बाहर आने के बाद महावर ने वापस चेयरमैन पद का कार्यभार संभाल लिया। याचिका में कहा गया कि वर्ष 2015 में इसी नगर परिषद के तत्कालीन चेयरमैन कमलेश कुमार को भी रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया था। जबकि वर्तमान चेयरमैन महावर को राजनीतिक कारणों के चलते निलंबित नहीं किया गया। याचिका में कहा गया कि गत 27 दिसंबर को नगर परिषद आयुक्त की ओर से महावर की ओर से बिना अनुमति वापस पदभार ग्रहण करने की जानकारी भी उच्चाधिकारियों को दी गई। इसके बावजूद भी आयुक्त ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके अलावा कार्मिक विभाग के वर्ष 2001 और वर्ष 2010 में प्रावधान है कि लोक सेवक के रंगे हाथों गिरफ्तार होने पर उसे पद से निलंबित किया जाएगा। इसके अलावा हाल ही में नगर परिषद को 3.50 करोड़ रुपए विकास कार्यों के लिए स्वीकृत हुए हैं। जिनके दुरुपयोग होने की संभावना है। वहीं राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया।

प्रदेश में 20 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण के मामलों में थोड़ा-बहुत उतार चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते बुधवार को राज्य में 20 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 163 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को सात जिलों में 20 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले राज्य में मंगलवार को 31 रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 5 संक्रमित भीलवाड़ा में मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व उदयपुर में 4-4, अजमेर में 3, बीकानेर में 2 और बूंदी तथा गंगानगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

प्रदेश में बुधवार को 7 मरीज रिकवर हुए हैं। राज्य में नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 163 हो गई हैं। इनमें इनमें उदयपुर में 38, जयपुर में 39, भीलवाड़ा में 27, बीकानेर में 16, जोधपुर में 13, राजसमंद में 9, अलवर व अजमेर में 8-8, जालोर में 5, गंगानगर में 3, भरतपुर, बूंदी, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, कोटा, नागौर और सिरोही में 1-1 मामला है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9660 लोगों की मौत हो चुकी है।

टाइम्स की वरिष्ठ युवा पत्रकार पलक नान्दी का अचानक हुआ निधन

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार और टाइम्स ऑफ इण्डिया के जयपुर संस्करण की डिप्टी ब्यूरो प्रमुख पलक नान्दी का आज प्रातः यहाँ निधन हो गया। वह 44 वर्ष की थी और अविवाहित थी।

पलक नान्दी आज प्रातः राजस्थान विश्वविद्यालय में अपने भाई तथा अपने कुत्ते के साथ कार चलाकर भ्रमण के लिए गई। कार पार्क कर वह पैदल भ्रमण के लिए गई ही थी कि अचानक वह गिर पड़ी। उन्हें जबर्दस्त हृदयघात हुआ था और वह मूछित हो गई। उनके भाई मयंक नान्दी जो गत दिन ही अहमदाबाद से पलक के साथ जयपुर आए थे पलक को अस्पताल ले गए। दुर्लभजी अस्पताल के आपातकालीन विभाग में उन्हें ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने पड़ताल के बाद मृत घोषित किया। डॉक्टरों के अनुसार जब वह अस्पताल लाई गई तब तक उनका निधन हो चुका था।

इसके बाद उनके भाई ने मित्रों और टाइम्स ऑफ इण्डिया के पलक के सहकर्मियों से सम्पर्क किया। इसके बाद पलक को पोस्ट मार्टम कराने के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया। वहाँ से उनके पार्थिव शरीर को

स्व.पलक नान्दी

कॉवटिया अस्पताल ले जाना गया जहाँ पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट के अनुसार उनकी मौत कार्डियाक अरेस्ट के कारण हुई यह लिखा गया। पलक मूलतः अहमदाबाद की थी, और उनके परिवार के सदस्य अहमदाबाद ही रहते है इस कारण अन्तिम संस्कार अहमदाबाद में करने का फैसला किया गया। उनके शव को एम्बूलेन्स द्वारा अहमदाबाद ले जाया गया। जहाँ कल प्रातः उनका अन्तिम संस्कार किया जाएगा।

शव के साथ उनके भाई मयंक तथा टाइम्स ऑफ इण्डिया के विशेष संवाददाता भानु प्रताप सिंह और वरिष्ठ संवाददाता अजय सिंह अहमदाबाद गए। तिलक नगर, जहाँ पलक अकेली एक फ्लैट में रहती थी के लोगों ने अहमदाबाद रवाना होने से पूर्व भावभीनी श्रद्धाजंली अर्पित की। उनके अन्तिम दर्शन करने के लिए टाइम्स ऑफ इण्डिया के स्थानीय सम्पादक कुणाल मजूमदार और सम्पादकीय सहकर्मियों ने भी उन्हें श्रद्धाजंली अर्पित की।

हंसमुख और मृदुभाषी पलक का सम्बन्ध अहमदाबाद के निकट पाटन के एक कुलीन नागर ब्राह्मण परिवार से था। पलक ने पत्रकारिता की शिक्षा बडोदरा के एम.एस. विश्वविद्यालय से ली और वर्ष 2002 मुं अपनी पत्रकारिता इण्डियन एक्सप्रेस के अहमदाबाद संस्करण में एक रिपोर्टर के हैसियत से शुरू की। महिलाओं से सम्बन्धित विषयों के अलावा पक्षुक्रूरता आदि विषयों पर इण्डियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्टो पर उनकी प्रशंसा हुई।

चार वर्षो तक अहमदाबाद संस्करण में उनकी कार्यक्षमता और रिपोटिंग शैली से प्रसन्न होकर उन्हें जयपुर इण्डियन एक्सप्रेस का राज्य संवाददाता बनाकर भेजा गया। इण्डियन एक्सप्रेस में उनकी राजनीतिक रिपोर्ट विशेष कर भारतीय जनता पार्टी को राजनीति की रिपोर्ट की सर्वत्र चर्चा हुई। वर्ष 2008 में जब टाइम्स ऑफ इण्डिया का जयपुर संस्करण एक बार पुनः आरंभ हुआ तो वह एक्सप्रेस छोड़कर टाइम्स में आ गई। वर्ष 2018 तक रिपोर्टिंग करने के बाद उन्होंने समाचार समन्वयन का कार्य संभाला और अपनी प्रतिभा तथा दक्षता के बल पर सफल सिंद्ध हुई। समाचार संकलन और राज्य के विभिन्न जिलों कीखबरों पर उनकी पैनी निगाहें रहती थी। लीक से हटकर विभिन्न विषयों पर विशेष रिपोर्टिंग करवाने के लिए वह हमेशा सहकर्मियों को प्रेरित करती थी।

जयपुर में बनेगा नगर वन

जयपुर (का.सं.)। जयपुर वासियों के लिए बड़ा हर्ष का विषय है जयपुर की सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के खातीपुरा इलाके में वन विभाग की भूमि पर भारत सरकार की नगर वन योजना के तहत नगर वन बनने जा रहा है।

सांसद रामचरण बोहरा ने दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से भेंट कर उन्हें जयपुर में नगर वन बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रकृति से जितना जल लें उतना संरक्षण भी करें : रमेश मीणा

जयपुर (का.सं.)। ग्राामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेश चन्द मीना ने कहा है कि प्रकति में जल सीमित है और हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम प्रकति से जितना जल अपने उपयोग के लिए उतना ही प्रकति को अपने जल संरक्षण कार्यों से लौटाएं भी।

मीना विश्व जल दिवस के अवसर पर बुधवार अपराह्न जवाहर कला केन्द्र में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राजीव गांधी जल संचय योजना आरजीजेएसवाई के द्वितीय चरण का वर्चुअल शुभारम्भ करने के बाद राज्य भर से आए जलग्रहण समितियों के प्रतिनिधियो विभागीय अधिकारियो ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे।

मीना ने कहा कि हमारा शरीर पंच तत्वों से बना है। जल अग्नि धरती आकाश और वायु तत्वों के आदर और संरक्षण की परम्परा हमारी संस्कृति में हमेशा रही है। औद्योगिक गतिविधियों अतिक्रमण अत्यधिक दोहन अविवेकी खेती से जल चक्र अवरोधित हो रहा है। भावी पीढि यों और प्रकृति के लिए जल का समुचित प्रबन्धन जरूरी है।

उन्होंने ग्रामीण जन को नदियों की सेंटर लाइन तय करने लुप्त हो चुकी नदियों के पुनर्जीवन के लिए प्रयास करने ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने खेती के लिए जैविक खाद का उपयोग करने रास्तों से अतिक्रमण हटा जलाशयों में पानी की पहुंच सुनिश्चित करने में सहयोग के लिए अनुरोध किया। साथ ही हर व्यक्ति को जल संरक्षण का संकल्प लेने को कहा।

नव विक्रमी संवत्सर 2080 की प्रभातवेला में वर्ष के पहले दिन छोटीकाशी के देवालयों में श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दर्शन किए। मंदिर में ही नववर्ष की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हुआ। सभी मंदिरों में विशेष झांकी सजाई गई। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में सुबह गज पूजन किया गया। सजे धजे गजराजों का पूजन कर पुष्प वर्षा की। गजराजों ने भी सूंड उठाकर अभिवादन किया। इससे पूर्व ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई गई।

मानसरोवर में 468 मकान मालिकों को ग्रेटर निगम ने नोटिस थमाया

मध्यम मार्ग पर बनी दुकानों और अवैध निर्माण को 7 दिन में हटाने की चेतावनी

- ग्रेटर नगर निगम से मिले इन नोटिसों के बाद पीड़ित परिवारों में हड़कंप मचा
- विरोध में दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने पार्षद अभय पुरोहित की अगुवाई में मीटिंग की
- बैठक में निर्णय हुआ कि नगर निगम के नोटिस के विरोध में लोग कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे

जयपुर (कासं)। मानसरोवर में मध्यम मार्ग पर बसने वाले 468 परिवारों को ग्रेटर नगर निगम ने अवैध निर्माण हटाने का नोटिस थमाया है। अचानक इन नोटिसों के मिलने के बाद स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों में हड़कंप मच गया है। हाईकोर्ट के आदेशों पर ग्रेटर निगम प्रशासन ने इन अवैध निर्माणों को 7 दिन में हटाने का समय दिया है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर वक्त रहते निर्माण हटाया नहीं गया तो यह कार्रवाई नगर निगम करेगा। इन नोटिसों के विरोध में व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने बुधवार को स्थानीय पार्षद एवं चेयरमैन अभय पुरोहित की अगुवाई में बैठक बुलाई। जहां फैसला हुआ कि व्यापारी इन नोटिसों को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। व्यापारियों ने इसके लिए संघर्ष समिति बना ली है।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर के मानसरोवर जोन उपायुक्त मुकेश चौधरी ने बताया कि हाईकोर्ट ने पिछले दिनों एक याचिका पर आदेश देते हुए अवैध निर्माण को चिह्नित कर नोटिस देने और उन पर कार्रवाई करके पालना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। इन्हीं आदेशों की पालना में आज इन सभी घरों को नोटिस जारी किए गए हैं। इन नोटिसों में इन सभी को अपने स्तर पर अवैध निर्माण या आवासीय में जो व्यवसायिक गतिविधियां संचालित है, उनको हटाने के लिए कहा है। अगर कोई नहीं

ग्रेटर नगर निगम से नोटिस मिलने के बाद मानसरोवर क्षेत्र के व्यापारियों ने चेयरमैन अभय पुरोहित की अगुवाई में बुधवार को बैठक बुलाकर चर्चा की।

हटाएगा तो नगर निगम अपने स्तर पर कार्रवाई करके इन्हें हटाएगा।

बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट ने यह आदेश मानसरोवर निवासी मनमोहन नागपाल की याचिका पर सुनवाई के बाद दिए है। नागपाल का मानसरोवर के सेक्टर 30 में फ्लैट है जो प्रथम मंजिल पर है और ग्राउंड फ्लोर पर बने फ्लैट व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी। इसके अलावा फ्लैट मालिक ने सैट बैक एरिया में भी दुकानें बना रखी हैं। नगर निगम ग्रेटर ने 2 मार्च को इन दुकानों को सील कर दिया था। इस पर दुकान मालिक अनिल गुप्ता ने हाईकोर्ट में पेश होकर कोर्ट को बताया कि करीब 5 किलोमीटर लंबे पूरे मध्यम मार्ग पर ही आवासीय मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो अकेले उसकी ही दुकानों को क्यों सील किया गया है? इस पर कोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर को मध्यम मार्ग का सर्वे करके रिपोर्ट पेश करने को कहा था।

बुधवार को मानसरोवर में नगर निगम ग्रेटर मानसरोवर जोन के द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के बाद नोटिस जारी किए गए, जिनका व्यापारियों ने विरोध किया। सभी व्यापार मंडलों ने एकजुट होकर एक मीटिग बुलाई, जिसमें निर्णय लिया कि मानसरोवर व्यापार महासंघ संघर्ष समिति का गठन किया जाएगा और कानूनी राय के साथ अपना संघर्ष करेंगे। मीटिग में जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित सिंह संचोरा, स्थानीय पार्षद मुकेश लख्यानी, अभय पुरोहित, शक्ति प्रसाद यादव, राम अवतार गुप्ता, सद्भावना व्यापार मंडल के संरक्षक मनोज पांडे, अध्यक्ष दीपक जगा सेंट्रल व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोठवाल, महामंत्री भवर पंडित, आदर्श व्यापार मंडल के रामअवतार शर्मा, थड़ी मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश चौधरी, बड़ा बाजार में व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोविद लालवानी, पटेल मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

नवनिर्मित नीमकाथाना जिले में उदयपुरवाटी और गुढागौड़जी तहसील को शामिल करने का विरोध

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। नवनिर्मित नीमकाथाना जिला में उदयपुरवाटी व गुढागौडजी तहसील शामिल के विरुद्ध गांव गांव से आंदोलन की सुगबुगाहट शुरु हो चुकी है। इसी बीच सिंगनौर ग्राम पंचायत के गांव मझाऊ में पूर्व पंचायत समिति सदस्य जयंत मूंड के नेतृत्व में शिव मंदिर व मुख्य चौक पर विरोध सभा हुई। जिसमें ग्रामीणों ने एक आवाज में नीमकाथाना जिले के विरोध में आवाज बुलंद की। इस सभा में राज्य सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी हुई। मूंड ने बताया कि नए जिलों का गठन आमजन की सुविधा बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन हमें तो बहुत बडी दुविधा में डाल दिया।

सभा के दौरान राज्य सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी हुई।

ग्राम पंचायत बडागांव से लेकर इंद्रपुरा तक के लोगों में इसको लेकर बडा जन आक्रोश है। हमारे साथी पूर्व पंसस रामावतार धींवा दो दिन से आमरण अनशन पर बैठे है। प्रशासन के कान पर जूं भी नही रेंग रही। ग्राम मझाऊ, ढाणी मझाऊ, सिंगनौर, धमोरा, धोलाखेडा, रघुनाथपुरा, पोषाणा आदि गांवों की नजदीकी गुढागौडजी तहसील के साथ है। लेकिन भेदभावपूर्ण तरीके से हमें तहसील उदयपुरवाटी से जोड़ रखा है। नया जिला नीमकाथाना की दूरी, स्थलाकृति रुप से भिन्नताएं, भाषा, आवागमन, नाते-रिश्तेदारी सब ही अलग है। हमारी मुख्यमंत्री व क्षेत्रीय मंत्री से मांग है कि इस मसले का जल्दी से जल्दी निपटारा किया जाए। हमें यथावत झुंझुनूं जिले में रखा जाए अन्यथा इसके आंदोलनात्मक परिणाम भुगतने को तैयार रहे। ये आंदोलन जनांदोलन है। जिसमें पार्टी विशेष के लोग राजनीतिक रोटियां सेंकने की तैयारी कर रहे है। जो निंदनीय है। हम सबको पार्टीबाजी छोडकर एक जाजम पर आने की जरुरत है।

23 मार्च को सिंगनौर में होने वाली विरोध सभा के लिए मझाऊ व ढाणी मझाऊ में विरोध सभाएं की गई है। गुरूवार को सिंगनौर से ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत करी जाएगी और जब तक जिला

- मझाऊ व ढाणी मझाऊ में हुई विरोध सभा में दी चेतावनी
- आज सिंगनौर में होगी एतिहासिक विरोध सभा

झुंझुनूं यथावत नहीं होगा। तब तक सड़कों पर आंदोलन लड़ेंगे। इस विरोध सभा में रामनिवास जांगिड, पूर्व पंचायत समिति झाबर सिंह मूंड, गोरुराम कुलहरि, नंदलाल भडिया, कजोड़मल जांगिड, रामावतार, ख्यालीराम, बनवारीलाल, रामकुमार भर्रा, मुकेश मूंड, लीलाधर देवठिया, राजेंद्र हवलदार, सांवरमल धायल, प्रदीप कुडी, हरिराम शर्मा, श्रीराम देवठिया, महिपाल जाखड, रामनाथ कुलहरि, गिरधारीलाल, बजरंगलाल कुलहरि, मनीष शर्मा, महेंद्र दूत, राजेंद्र मूंड, योगी शर्मा, अंकित शर्मा, नरेंद्र देवठिया, पिंटू जांगिड आदि सहित अनेकों ग्रामवासी व नोजवान मौजूद थे।

सड़क हादसे में श्री मदन मोहन बाघदास मंदिर के पुजारी की मौत, पुत्र घायल

सादुलपुर, (निसं)। शहर के जाने-माने ज्योतिषाचार्य एवं प्राचीन श्री मदन मोहन बाघदास मंदिर के पुजारी महावीर प्रसाद शास्त्री की बुधवार को सडक दुर्घटना में मौत हो गई तथा उनका पुत्र श्रीकांत शास्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसको इलाज के लिए हिसार भिजवाया गया है। हालांकि सडक दुर्घटना मामले को पुलिस प्रारंभिक जांच में हत्या का मामला होने की आशंका व्यक्त कर रही है।

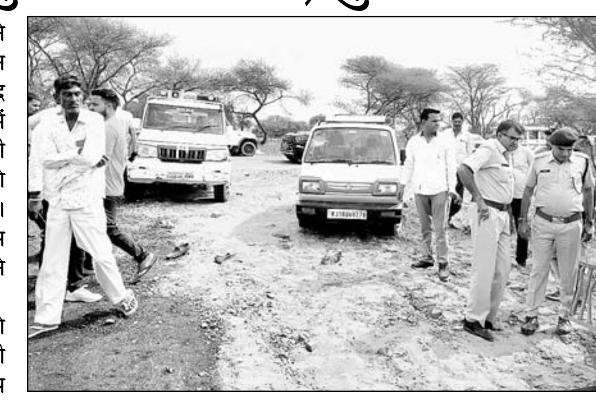

दुघर्टना के बाद घटनास्थल का मौका मुआयना करती पुलिस।

जानकारी के अनुसार बुधवार को दोपहर करीब दो बजे यह सूचना मिली कि अमरपुरा धाम से वापस आते समय महावीर प्रसाद शास्त्री और उनके पुत्र श्रीकांत की गाडी किसी जीप से टकरा गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना चूरू हाईवे पर स्थित टी पॉइंट पर पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय के समीप हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही डीवाईएसपी इंसार अली, थानाधिकारी सुभाष चन्द्र ढील मय जाब्ते मौके पर पहुँचे तथा घटना का मौका निरीक्षण किया। इस संबंध में थानाधिकारी सुभाष चंद्र ढील ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या का मामला लगता है तथा रिपोर्ट मिलने के बाद एवं जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति का खुलासा हो सकेगा। वहीं जानकारी

- हत्या की जताई जा रही आंशका, मामला दर्ज होने के बाद ही वास्तविकता चल सकेगा पता

अनुसार किसी व्यक्ति ने हाईवे टीपोइंट के पास महावीर शास्त्री की कार को जानबूझकर पुरानी डीआई जीप से टक्कर मारी, जिससे महावीर शास्त्री गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी हॉस्पिटल की हडताल के चलते घायलों को एंबुलेंस के जरिए राजकीय सामुदायिक केंद्र पहुँचाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने महावीर शास्त्री को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उनके पुत्र श्रीकांत को हिसार रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक राजगढ थाने में मामला दर्ज नहीं हुआ। वहीं अस्पताल में अव्यवस्था को लेकर लोगों ने रोष भी जताया है। मोर्चरी रूम में डीप फ्रीज खराब होने के कारण मोक्ष बोल में स्थित डी फ्रिज में मृतक के शव को रखवाने की व्यवस्था की गई है।

श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं में जीर्णोद्धार के बाद कार्यालय का उद्घाटन

झुंझुनूं, (निसं)। श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं परिसर में स्व. चिरंजीलाल गाडिया के सुपुत्र स्व. मोहनलाल एवं स्व. सांवरमल की स्मृति में उनके परिवार द्वारा ऑफिस का जीर्णोद्धार करवाया गया। जिसका विधिवत रूप से उद्घाटन नव संवत्सर पर बुधवार को सुबह बगड़ दादूद्वारा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. अर्जुनदास महाराज द्वारा किया गया।

बगड़ दादूद्वारा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. अर्जुनदास महाराज ने कार्यालय का उद्घाटन किया।

महाराजश्री का माल्यार्पण कर दुपट्टा एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री नेमी अठावाल, गाडिया परिवार के रमेश गाडिया एवं पवन गाडिया द्वारा किया गया। गाडिया परिवार के रमेश गाडिया, पवन गाडिया, कार्यक्रम संयोजक अजीत राणासरिया एवं एडवोकेट विनोद कानोडिया तथा ऑफिस निर्माण में विशेष सहयोग के लिए मातादीन टीबड़ा का श्री गोपाल गौशाला की ओर से कोषाध्यक्ष राजकुमार तुलस्यान, नारायण जालान, अंजनी जालान, आनंद टीबड़ा एवं डॉ. डीएन तुलस्यान द्वारा माल्यार्पण के साथ दुपट्टा ओढाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। महाराज श्री ने अपने उद्बोधन में नव संवत्सर के महत्व को समझाते हुए हिंदू नव वर्ष की सभी को बधाई देते हुए सत्संग प्रवचन में सारगर्भित जीवन के रहस्य को समझाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन परमेश्वर हलवाई ने किया। जबकि सभी आगंतुकों का धन्यवाद गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया ने प्रकट किया।

इस अवसर पर श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, सचिव नेमी अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष राजकुमार तुलस्यान, विश्वनाथ टीबड़ा, आनंद टीबड़ा, विपिन राणासरिया, ताराचंद गुप्ता, सुभाष क्यामसरिया, नवल खंडेलिया, डॉ. डीएन तुलस्यान, कैलाशचंद्र सिंघानिया, अनिल खंडेलिया, विनोद सिंघानिया, दिनेशचंद्र अग्रवाल, विनोद जालान, नारायण जालान, अंजनी जालान, अजीत राणासरिया, प्रदीप, अशोक केडिया, नरोत्तमलाल राणासरिया, मातादीन टीबड़ा, आशीष तुलस्यान, गणेश हलवाई चिड़ावावाला, श्यामसुंदर जालान नूआंवाला, रमेश गाडिया, पवन गाडिया, जीवेम चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, विनोद कानोडिया, शशिकांत पंसारी, प्रदीप, रघुनाथ पोद्दार, शशिकांत चनानिया, संजय नांगलिया, परमेश्वर हलवाई, शिवचरण पुरोहित, कालूराम तुलस्यान, अरुण, सुभाष राणासरिया, नितिन नारनौली, भीम शाह, जुगल हलवाई, अनिल केडिया, अशोक स्वामी, मुरारी राणासरिया, श्यामसुंदर टीबड़ा सहित अन्य गौ भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महर्षि गौतम जन्मोत्सव मनाया

चूरू, (कासं)। शहर के गायत्री नगर स्थित गायत्री शक्ति पीठ मंदिर प्रांगण में बुधवार को महर्षि गौतम जन्मोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र चोबे ने जयपुर में आयोजित विप्र समागम पर चर्चा करते हुए कहा कि यह समागम केवल ब्राह्मण के लिए नहीं था बल्कि यह राष्ट्रशक्ति का प्रतिबिम्ब है। यह सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए सर्वसमाज के अभिनंदन का एक अनुठा संयोजन हैं। क्योंकि ब्राह्मण केवल अपने लिए नहीं बल्कि सर्व भारतीय समाज के साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाता है। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के तहसील अध्यक्ष महेश मिश्रा ने कहा कि हम सब ऋषि की संतान है। हम अपने ऋषियों के आदर्शों पर चलकर पीड़ित मानव की सेवा करनी चाहिए। अखिल भारतीय गुर्जर गौड़ समाज के जिला अध्यक्ष डूंगरमल जोशी ने महर्षि गौतम के न्याय कानून पर प्रकाश डाला। संस्था संरक्षक महेन्द्र उपाध्यक्ष ने सामाजिक पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। पं. रामलाल शर्मा ने पूजन करवाया और महर्षि गौतम के दिए अवदान को सृष्टि के लिए वरदान बताया। विप्र बंधुओं ने सामूहिक आरती की। कार्यक्रम में गुरुदास भारती, सुन्दरपाल उपाध्याय, श्यामसुन्दर शर्मा, अनिल शर्मा, कालीचरण शर्मा, अरविन्द, नीरज, राजेश, कालूराम, राजीव, कैलाश सहित उपस्थित विप्रजनों ने महर्षि गौतम ऋषि की पूजा अर्चना की।

फिरौती नहीं देने पर होटल बार में तोड़फोड़ का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थानान्तर्गत रेलवे स्टेशन सादुलपुर के पास एक होटल रेस्टोरेंट एण्ड बार में बीती रात्रि को दो नामजद आरोपियों सहित 7-8 अन्य बदमाशों को दो लाख

- करीबन 12 लाख के नुकसान का मामला दर्ज, दो नामजद सहित 7-8 अन्य के खिलाफ राजगढ थाने में मामला दर्ज

तोड़फोड़ करते बदमाश सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गये।

रूपये फिरोती व शराब नहीं देने पर बार में लाठी सरियो, व पत्थरों से तोडफोड करने के आरोप का मामला राजगढ थाने में दर्ज करवाया गया है।

दर्ज मामले में राजकुमार जाट निवासी हरपालू पतराम तहसील राजगढ चूरू ने राजगढ थाने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 21 मार्च की रात्रि को 12.15 बजे दो युवक दिनेश सहारण व आशीष पूनियां निवासी कालरी उनके होटल में आये तथा कहा कि आप हमारी अनुमति के बिना रेस्टोरेंट एण्ड बार कैसे चलाते हो, हमें फ्री में शराब मिलनी चाहिए, नहीं दी तो गालि गलोच करने लगे और कहा कि ये बार कोन चलाता है या तो हमारे को एक घंटे के अन्दर दो लाख रूपये व शराब हमें दे देना, वरना जान से मार देंगे तथा जोर-जोर से गेट तोडने की कोशिश करने लगे तो उनको डर में मारे शराब की दे दी, लेकिन जाते-जाते गाली गलौच कर धमकी देकर गये कि एक घंटे बाद दो लाख रूपये तैयार रखना।

इसी बीच होटल वाले अन्दर सो गये तथा करीबन एक घंटे बाद करीन 1.30 बजे रात को आरोपी दिनेश व आशीष व 7-8 अन्य लडके हाथों में डंडे व सरिया सहित लेकर आये और दो लाख रूपये माँगे, गेट तोडने लगे, पैसो के लिए मना किया तो पत्थरों, डंडो व सरियो से होटल के सीसे तोड दिये, सूचना पर पुलिस के आने के बाद वहां से फरार हो गये तथा बेखोफ बदमाश तीसरी बार 2.30 बजे फिर से बाइक से व पैदल वापस आ गये तथा फिरोती मांगने लगे व जान से मारने की धमकी देने लगे, जिस पर फिर से पुलिस को सूचना देने पर पुलिस ने तीन चार लोगों को तुरन्त गिरफतार कर लिया व कुछ अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गये। आरोप है कि होटल बार में काँच के सीसे व गेट तोड दिये, जिससे तोडफोड में करीबन बारह लाख रूपये का नुकसान कर दिया तथा आपस में ये लोग सचिन कुमार व एक को जोगा के नाम से बोल रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

वकीलों ने खुशी का इजहार किया

चूरू, (कासं)। जिला अभिभाषक संघ चूरू के सभा भवन में अध्यक्ष सुरेंद्र शेखावत की अध्यक्षता में जिला अभिभाषक संघ चूरू की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यहां अधिवक्ता संरक्षण विधेयक 2023 राजस्थान विधानसभा में पारित करने की खुशी में अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा खुशी का इजहार किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को विधेयक विधानसभा में पास करने के लिए तथा उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ को विधानसभा में सबसे पहले विधेयक के सम्बन्ध में आवाज उठाने तथा विधेयक का समर्थन करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर जिला अभिभाषक संघ चूरू के अध्यक्ष सुरेंद्र शेखावत, उपाध्यक्ष राकेश बहादुर खान, महासचिव याकूब खान बीनासर, वरिष्ठ अधिवक्ता बीरबल सिंह लांबा, बजरंग लाल शर्मा, अंतराम सोनी, आनंद बालान, विजेंद्र सिंह राठौड़, अब्दुल गफ्फार खान, दानाराम, महेश प्रताप सिंह राठौड़, नरेंद्र सैनी, नरेंद्र सिहाग, राजेंद्र राजपुरोहित, नासिर खान, हकीम खान, महेंद्र न्यौल, धर्मचंद कस्वां, हजारी सिंह, सुजान सिंह, सद्दाम हुसैन, नरेंद्र शर्मा, वरुण सैनी, बाबूलाल सैनी, सुरेन्द्र, विकास, शिव सिंह, कृष्णकांत, विकास, गौरी शंकर, प्रदुमन सिंह, शब्बीर खान, दीपक स्वामी, आदित्य सिंह आदि सहित अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन

चूरू, (कासं)। राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू की चारों एनएसएस इकाईयों की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन आज प्राचार्य प्रो. महावीर सिंह एवं हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ मंजू शर्मा के आतिथ्य में हुआ। तृतीय इकाई प्रभारी विनित ढाका, द्वितीय इकाई प्रभारी मो. जावेद खान, संयोजक प्रो शांतनु डाबी ने कैंप के संबंध में जानकारी दी। डॉ मंजू शर्मा ने स्वयंसेवकों को समाज व पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर विभिन्न नवाचार करने का आग्रह किया। महाविद्यालय प्राचार्य एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर महावीर सिंह ने स्वयंसेवकों को अग्रिम शुभकामनाएं दी। चतुर्थ इकाई प्रभारी प्रोफेसर लालचंद चाहर ने कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान चारों इकाइयों के करीब 200 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। मंच संचालन एनएसएस प्रभारी शांतनु डाबी ने किया।

फसलों में नुकसान के मुआवजे को लेकर प्रधान ने ज्ञापन सौंपा

बीदासर, (निसं)। तहसील क्षेत्र बीदासर के गाँवो में बारिश से हुई ओलावृष्टि से हुये फसलों के नुकसान को लेकर बुधवार को पंचायत समिति प्रधान संतोष मेघवाल के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने उपखण्ड कार्यालय में जिला कलेक्टर के नाम का ज्ञापन सौंप कर नुकसान की नियमानुसार अविलम्ब जाँच करवाकर आपदा सहायता व फसल इंश्योरेंस कंपनी से मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपती प्रधान संतोष मेघवाल।

जनप्रतिनिधियों द्वारा दिये गये ज्ञापन में लिखा है कि बीदासर तहसील के गाँवो में गेहूँ, सरसों, जौं, इसबगोल, मैथी, जीरा आदि फसलों का इस समय कटाई का काम चल रहा है। तथा इस वक्त बारिस, ओलावृष्टि व आकशीय बिजली गिरने से किसानों की खड़ी फसले पूरी तरह गल कर नष्ट हो गई है। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्व विभाग के पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार आदि की टीम गठित की जाकर नियमानुसार फसल के नुकसान का आंकलन कर नियमानुसार मुआवजा दिलवाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रधान संतोष मेघवाल, जीप सदस्य सोहनलाल लोहमरोड़, सरपंच प्रतिनिधि डॉ. रामेश्वरलाल दूसाद, दीपाराम सारण सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बसंत नवरात्रि प्रारम्भ

पाटन, (निसं)। हसामपुर -पहाडी पर स्थित मनसा माता के मंदिर में शतचंडी के आयोजन के साथ प्रथम दिन प्रातः काल माता जी का पंचामृत अभिषेक किया गया। प्रातः 6.33 बजे घट स्थापना की गई। तंवरावाटी के इतिहास के अनुसार मनसा माता का मंदिर दसवीं, ग्यारहवीं सदी का प्राचीन मंदिर बताया गया है। यहां देवी के तीन पिंडी रूप में भक्तों को दर्शन होते हैं। यहां बसंत नवरात्रि व शारदीय नवरात्रि में प्रतिपदा से नवमी तक दूर दराज से हजारों भक्तगण आकर माता के गठ जोड़ा, जडूला की जात लगाकर माता से मन्नत मांगते हैं। नवरात्रि नवमीं को भण्डारे का आयोजन किया जाता है। मंदिर में मंदिर महंत केशव भारद्वाज के सानिध्य में शतचंडी का आयोजन किया जा रहा है। आचार्य रमेश शर्मा ने बताया कि भागवत, विष्णु पुराण एवं वेदों में मनसा देवी का नाग कन्या के रूप में विवरण दिया है। इस आयोजन में पंडित संजय मिश्रा, देवेंद्र, मुकुल, मोहित शास्त्री मिथेलश भारद्वाज व संजय मुद्गल द्वारा यजमान शिबू सोनी का विधिवत पूजन करवा कर नवरात्रि प्रारम्भ किया।

मैडल जीतकर राजगढ़ पहुंचा पैराएथलीट रोहतास का स्वागत

सादुलपुर, (निसं)। महाराष्ट्र में पैराओलंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 21वी पैराओलंपिक प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल विजेता रोहतास धनखड का सादुलपुर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। धनखड की जीत पर पूरे शहर में विजय जुलूस निकाला गया।

पदक विजेता रोहतास धनखड़ के सादुलपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर स्वागत करते लोग।

रोहतास व टैगोर स्पोर्ट्स एकेडमी राजगढ के कोच ने कहा कि अभी गोल्ड से चूके हैं, लेकिन आगामी पैरा एथलीट प्रतियोगिता में देश की झोली में जरूर गोल्ड मेडल डालेंगे। इस अवसर टैगोर पब्लिक स्कूल के निदेशक सुखबीर सिंह चाहर ने कहा कि मुझे खुशी है कि एक दिव्यांग बच्चा जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हुए भी मेडल लेकर आया है। उन्होंने बताया की टैगोर स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच और हम जितना हो सके रोहतास की मदद करते रहेंगे, आर्थिक बोझ को कभी भी रोहतास के ऊपर हावी नहीं होने देंगे। रेलवे स्टेशन पर भाजपा किसान मोर्चा जिला महामंत्री कृष्ण भाकर, पवन मोहता अध्यक्ष व्यापार मंडल राजगढ, बलवीर धनखड, दरिया सिंह धनखड, जयवीर पूनिया, पवन गट्टानी, श्याम सोनी, शौकत, जोगेंद्र सुड्डा आदि ने पदक विजेता को फूल माला पहना कर व मिठाई खिला कर स्वागत किया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय 'गुड टच और बैड टच' के बारे में बताया

नवलगढ़, (निसं)। राजकीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय टाईप 1 में पुष्पलता मीणा प्रधानाध्यापिका की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पक्षिणी फाउंडेशन ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं गुड टच और बैड टच पर आधारित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरूक किया गया। वहीं फाउंडेशन ऐसे वॉलंटियर्स भी तैयार कर रहा है। जिसमें मासूम बच्चों को ये समझा सकें कि आखिर गुड और बैड टच क्या है।

पक्षिणी फाउंडेशन ने स्वास्थ्य परीक्षण कर गुड टच और बैड टच पर बालिकाओं को जागरूक किया।

वॉलंटियर प्राची देवड़ा ने बालिकाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा विद्यालय की बालिका अच्छे अंक लाकर उत्तीर्ण हो रही है। इस पर उन्हें गर्व है। लड़कियां अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। जिससे कि वे समाज में अपना स्थान कायम कर सकें। सरकारी भी अनेक योजना के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण में सुधार के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

वहीं लड़कियों को गुड और बैड टच के बारे में और बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की जानकारी भी दी गई। पक्षिणी फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. शंकर सैनी ने बताया कि प्रशिक्षण में विभिन्न उपयोगी जानकारी बच्चों को दी जा रही है। जिससे बच्चों के साथ होने वाली अनेक गलत घटनाओं को रोक जा सकते है। प्रत्येक विद्यालय में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। जिससे बच्चों में इनके प्रति जागरूकता फैलाई जा सके। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को चौथमल सौंकरिया प्रधानाध्यापक द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। वहीं विद्यालय द्वारा टीचर्स स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। जिसमें सनमा बानो, सुमन कुमारी, ऋतु कुमारी, विकास कुमारी, सुनिता कुमारी, फाउंडेशन सदस्य प्रवीण सैन, असलम खोकर ने भी सहयोग किया।

पत्रकारों के होली स्नेह मिलन में हुआ प्रतिभाओं का सम्मान

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। कस्बे में स्थित अभिनंदन मैरिज गार्डन में पत्रकार होली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कोट बांध योगीश्वर सिद्धपीठ के महंत डॉ. योगश्री नाथ महाराज थे। विशिष्ट अतिथि गुढ़ा तहसीलदार महिपालसिंह, सीआई वीर सिंह गुर्जर, उदयपुरवाटी पालिका चेयरमैन रामनिवास सैनी, गुढ़ा ईओ हेमंत सैनी, गुढ़ा चेयरमैन प्रतिनिधि राजीव दायमा थे। अध्यक्षता सूर्य मंदिर पीठ लोहार्गल के महंत अवधेसदास महाराज ने की। कार्यक्रम में निजी शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओ ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य की प्रतियोगिता हुई।

गुढ़ागौड़जी कस्बे में स्थित अभिनंदन मैरिज गार्डन में पत्रकार होली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

एकल नृत्य प्रतियोगिता में गुढ़ा पब्लिक स्कूल की छात्रा शिखा राज प्रथम, पनोरमा स्कूल की छात्रा खुशी सैन दूसरे, ऋषिका कुमावत तीसरे स्थान पर रही। सामूहिक नृत्य में गोमती कॉलेज बड़ागांव की छात्राएं प्रथम, गीता बाल निकेतन स्कूल की छात्राएं दूसरे, नीतू एंड पार्टी तीसरे स्थान पर रही। समारोह में अतिथियों ने प्रथम, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे प्रतिभागियों को 21सौ, 11सौ, 5सौ का नगद ईनाम व मोमेंटो-सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा सभी प्रतिभागियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में छन-छन बोले यूं बोले तेरी तागड़ी..., मिट्टी में मिल जावा...आदि गानों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. योगश्री नाथ महाराज ने कहा कि होली के साथ प्रकृति के रंग लुप्त होकर इंसानों के रंग सामने आने लगते है। इसी महीने में अच्छे रंगों के साथ में सामने आना चाहिए। रंग प्रकृति के साथ इंसान भी बदलता है। चेयरमैन रामनिवास सैनी ने कहा कि जमाने के साथ साथ पत्रकारिता का तौर तरीका भी बदला जा रहा है। लोहार्गल सूर्य पीठ के महंत अवधेशदास महाराज ने कहा कि होली स्नेह मिलन कार्यक्रम के साथ पत्रकारों ने अच्छा मैसेज दिया है। इस तरह के कार्यक्रम करवाते रहना चाहिए।

इस दौरान बजावा सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र टेलर, हवासिंह भूरिया, बामलास सरपंच जयपाल सिंह, पोषाणा सरपंच प्रतिनिधि अमित ढेवा, ख्यालीराम मेघवाल पुर्व सरपंच टोडी, जीपीएस स्कूल के सुशील कुमार बेनीवाल, बराला ज्वैलर्स मनदीप बराला, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सतपाल मावलिया, पार्षद राजेंद्र मारवाल, अभिनंदन मैरिज गार्डन संचालक राकेश स्वामी, एचपी गैस एजेंसी के प्रबंधक रामप्रताप पुलकित, पार्षद प्रतिनिधि राकेश जमालपुरिया, पार्षद राजेंद्र ढेनवाल, संदीप सोनी, घनश्याम स्वामी, तेजस छींपा, राजेंद्र मारवाल, पार्षद प्रतिनिधि अमित अली कच्छावा, वैद्य डॉ. राकेश सैनी, एडवोकेट मोतीलाल सैनी, पार्षद दिनेश सैनी, पार्षद श्यामलाल सैनी, लोहार्गल सरपंच जगमोहन सिंह, हांसलसर सरपंच रामनिवास शर्मा, पूर्व सरपंच गणेश गुप्ता भोड़की, जिला परिषद सदस्य अजय भालोठिया, सेठ शिवदत्त राय स्कूल बड़ागांव के महिपाल महला, जेपी ज्वैलर्स चेयरमैन बलवीर, समाजसेवी राजू जाखड़, सुरेंद्र रसगनिया, विजय भाटीवाड़, आशीष, रणवीर सिंह, सुरेश मीणा किशोरपुरा सहित सैंकड़ों पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वापसी करके अच्छा लग रहा है। यहां आकर रोमांचित हूं। काम करके खुश हूं।'',"जहां तक मुझे डॉक्टरों ने बताया है कि अब मुझे कैंसर नहीं है। मैं चेकअप कराती रहूंगी।''

–मार्टिना नवरातिलोवा

पूर्व टेनिस खिलाड़ी, कैंसर से वापसी करते हुए

खेल जगत

आज का खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी

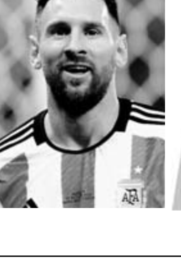

यहां पालेरमो में हजारों फुटबॉल प्रेमियों ने एक रेस्त्रां को घेर लिया जब उन्हें पता लगा कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी उसमें डिनर कर रहे हैं। मेस्सी की एक झलक पाने के लिये लोग डॉन जूलियो रेस्त्रां के पास पहुंच गए। मेस्सी को बाहर निकलने के लिये पुलिस की मदद लेनी पडी। सडक पर खडे प्रशंसक 'मेस्सी मेस्सी' चिल्ला रहे थे। कतर में हुए विश्व कप में मेस्सी ने अर्जेंटीना को तीसरा खिताब दिलाया। विश्व कप जीतने से मेस्सी का अर्जेंटीना में वह दर्जा मिल गया जो सिर्फ माराडोना को हासिल था। लेकिन विश्व कप से पहले हालात दीगर था।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

आस्ट्रेलिया ने भारत का विजयी रथ रोका, सात सीरीज जीतने के बाद पहली बार घर में हार

चेन्नई, 22 मार्च। ऑस्ट्रेलिया ने ऐडम ज़ैम्पा (45/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत को तीसरे एकदिवसीय मैच में बुधवार को 21 रन से हराकर तीन मैचों की शृंखला 2-1 से जीत ली।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने 270 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में मेजबान टीम 49.1 ओवर में 248 रन पर ऑलआउट हो गयी। भारत को चार साल और सात एकदिवसीय शृंखलाओं के बाद घरेलू सरज़मीन पर हार मिली है। भारत को इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने ही हराया था। चिदंबरम स्टेडियम की धीमी पिच पर स्पिनरों का बोलबाला रहा। भारत की ओर से पांड्या ने भारतीय गेंदबाजों की अगुवाई करते हुए आठ ओवर में तीन विकेट लेकर 44 रन दिये, जबकि ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम की कमर तोड़ने वाले कुलदीप ने 10 ओवर में 56 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मेहमान टीम के लिये जैम्पा ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 45 रन देकर चार विकेट लिये। इसके अलावा टेस्ट सीरीज में नज़रंदाज़ किये गये ऐश्टन आगर ने भी 10 ओवर में 41 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। भारत की ओर से विराट कोहली ने 72 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के के साथ सर्वाधिक 54 रन बनाये, हालांकि उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और पिछले मैच में अविजित शतकीय साझेदारी करने वाली ट्रैविस हेड-मिचेल मार्श की जोड़ी ने अपनी टीम को एक बार फिर आक्रामक शुरुआत दिलाई।

हेड-मार्श ने पहले पावरप्ले का फायदा उठाते हुए 68 रन की साझेदारी की। इससे पहले कि यह साझेदारी भारत को मुश्किल में डालती, पांड्या ने हेड को पवेलियन लौटा दिया। हेड ने 31 गेंद पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 33 रन बनाये। उन्होंने अपने अगले ओवर में स्टीव स्मिथ को विकेटकीपर के हाथों कैचआउट करवा कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। स्मिथ भारत दौरे के छह मैचों में एक बार भी अर्द्धशतक नहीं बना सके।

दूसरी ओर, मार्श (47 गेंद, आठ चौके, एक छक्का, 47 रन) सीरीज के अपने दूसरे अर्द्धशतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन पांड्या ने उन्हें भी बोल्ड कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के ऊपरी क्रम को धराशाई करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने गेंद स्पिनरों को सौंप दी।

डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन ने चिदंबरम स्टेडियम की पिच पर स्पिनरों के आगे धैर्य का प्रदर्शन करते हुए 60 गेंद में 40 रन की साझेदारी की। वॉर्नर 23 रन की पारी में एक चौका लगाकर अपने पांव जमा चुके थे लेकिन कुलदीप की गेंद पर बड़ा शॉट मारने की कोशिश में लॉन्ग-ऑफ को कैच दे बैठे। वॉर्नर की तरह लाबुशेन (45 गेंद, 28 रन) ने भी बड़ा छक्का लगाने की कोशिश में लॉन्ग-ऑन को कैच थमाया।

मार्कस स्टॉयनिस ने छठे विकेट के लिये एलेक्स कैरी के साथ 58 रन की साझेदारी की लेकिन वह भी अच्छी शुरुआत को लंबी पारी में नहीं बदल सके। स्टॉयनिस ने 26 गेंद पर तीन चौकों के साथ 25 रन बनाये और वह अक्षर पटेल की गेंद को लॉन्ग-ऑन के हाथों में खेलकर पवेलियन लौटे। स्टॉयनिस के साथी कैरी ने कुलदीप की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 46 गेंद पर 38 रन (दो चौके, एक छक्का) बनाये।

ऑस्ट्रेलिया 196 रन पर छह विकेट गिरने के बाद छोटे स्कोर पर सिमट सकता था लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों ने अंत में 11 ओवर खेलकर बहुमूल्य 66 रन जोडे।

शॉन ऐबट ने ऐश्टन आगर के साथ आठवें विकेट के लिये 42 महत्वपूर्ण रन जोडे। अक्षर ने ऐबट को 26 (23) रन के स्कोर पर बोल्ड किया, जबकि सिराज ने आगर (21 गेंद, 17 रन) और मिचेल स्टार्क (11 गेंद, 10 रन) को आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी को समाप्त किया।

भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की मदद से तेज़ शुरुआत की और पहले विकेट के लिये 65 रन जोड़े। रोहित ने 17 गेंद पर दो चौकों और दो छक्कों की बदौलत 30 रन बनाये लेकिन पावरप्ले के आखिरी ओवर में आउट हो गये। स्टीव स्मिथ ने स्पिनरों को गेंद सौंपकर भारतीय रनगति पर लगाम भी कस दी।

ज़ैम्पा ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाते हुए शुभमन गिल (49 गेंद, 37 रन) को पगबाधा आउट किया और भारत की सलामी जोड़ी तीन ओवर के अंतराल में पवेलियन लौट गयी। शुरुआती झटकों के बाद केएल राहुल और कोहली ने 69 रन की साझेदारी करके पारी को संभाल लिया, हालांकि राहुल तेजी से रन बनाने के मामले में संघर्ष करते नज़र आये। राहुल ने आखिरकार 26वें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर 49 गेंद का सूखा समाप्त किया। राहुल ने अगले ओवर में स्टार्क को एक चौका और एक छक्का भी जड़ा, हालांकि वह 50 गेंद पर 32 रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

कप्तान रोहित ने ज़ैम्पा की स्पिन को बेअसर करने के लिये अक्षर को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिये भेजा लेकिन वह सिर्फ दो रन बनाकर रनआउट हो गये। ऑस्ट्रेलिया ने जल्द ही दो विकेट चटकाकर मैच में वापसी कर ली। इस समय तक मैच बराबरी पर था लेकिन आगर के एक ओवर ने इसे ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुका दिया। आगर ने 36वें ओवर में कोहली को लॉन्ग ऑफ पर कैचआउट करवाया, जबकि अगली ही गेंद पर उन्होंने सूर्यकुमार यादव को बोल्ड किया। सूर्यकुमार इस सीरीज के तीनों मैचों में पहली गेंद पर आउट हुए। भारत को अंतिम सात ओवर में 54 रन की जरूरत थी। पांड्या और जडेजा की साझेदारी भारत के लिये बहुमूल्य थी लेकिन ज़ैम्पा ने एक बार फिर महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालते हुए पांड्या को आउट कर दिया। पांड्या ने 40 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 40 रन बनाये और उनकी हार के साथ भारत का पतन सुनिश्चित हो गया। जैम्पा ने एक ओवर बाद जडेजा (33 गेंद, 18 रन) को पवेलियन लौटाया। मोहम्मद शमी ने 14 रन की अपनी पारी में एक चौका और एक छक्का लगाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। स्टॉयनिस ने शमी को बोल्ड करके पवेलियन भेजा, जबकि कुलदीप के रनआउट के साथ भारतीय पारी समाप्त हो गयी।

स्कोर बोर्ड

आस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
ट्रेविस का यादव बो पंड्या	33	31	4	2
मिचेल मार्श बो पंड्या	47	47	8	1
स्टीवन स्मिथ का राहुल बो पंड्या	00	3	0	0
वॉर्नर का पंड्या बो कुलदीप	23	31	1	0
लाबुशेन का गिल बो कुलदीप	28	45	1	1
एलेक्स कैरी बो कुलदीप यादव	38	46	2	1
मार्कस का गिल बो अक्षर पटेल	25	26	3	0
सीन एबोट बो अक्षर पटेल	26	23	2	1
एशटन का अक्षर पटेल बो सिराज	17	21	0	1
स्टार्क का जडेजा बो सिराज	10	11	0	1
एडम जम्पा नाबाद	10	11	1	0
अतिरिक्त :	12			

कुल : 49 ओवर में 269 रन पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-68, 2-74, 3-85, 4-125, 5-138, 6-196, 7-203, 8-245, 9-247

गेंदबाजी: मोहम्मद शमी 6-0-37-0, मोहम्मद सिराज 7-1-37-2, अक्षर पटेल 8-0-57-2, हार्दिक पंड्या 8-0-44-3, रविंद्र जडेजा 10-0-34-0, कुलदीप यादव 10-1-56-3

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा कॉट मिचेल बो एबार्ट	30	17	2	2
गिल एल बी डब्ल्यू बो जम्पा	37	49	4	1
कोहली का डेविड बो एगर	54	72	2	1
राहुल का एबॉट बो जम्पा	32	50	2	1
पटेल रन आऊट	2	4	0	0
पंड्या का स्टीव बो जम्पा	40	40	3	1
यादव बो एश्टन एगर	0	1	0	0
जडेजा का स्टोइनिस बो जम्पा	18	33	1	0
कुलदीप रन आऊट	6	15	0	0
शमी बो स्टोइनिस	14	10	1	1
सिराज नाबाद	3	5	0	0
अतिरिक्त :	12			

कुल : 49.1 ओवर में 248 रन पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-65, 2-77, 3-146, 4-151, 5-185, 6-186, 7-218, 8-225, 9-243, 10-248

गेंदबाजी: मिचेल स्टार्क 10-0-67-0, स्टोइनिस 9.1-0-43, शॉन एबॉट 10-0-50-1, एडम जम्पा 10-0-45-4, एश्टन एगर 10-0-41-2,

'विश्व कप 2023 पांच अक्टूबर से, फाइनल अहमदाबाद में'

नयी दिल्ली, 22 मार्च। भारत में होने वाला 2023 एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप पांच अक्टूबर से शुरू हागा और फाइनल 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जायेगा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार बीसीसीआई ने दस टीमों के टूर्नामेंट के लिये एक दर्जन स्थानों का चयन किया है जिनमें 48 मैच खेले जायेंगे जिनमें तीन नॉकआउट शामिल हैं। अन्य स्थानों में बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर, राजकोट और मुंबई शामिल हैं। इस सूची में मोहाली और नागपुर नहीं हैं जहां आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेले गए थे। फाइनल को छोड़कर बीसीसीआई ने बाकी मैचों के वेन्यू का खुलासा नहीं किया है।

वनडे में शीर्ष पायदान से फिसले सिराज

दुबई, 22 मार्च। शीर्ष भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे गेंदबाजों की रैंकिग में पहले स्थान से फिसलकर तीसरे पायदान पर आ गये। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध रविवार को खेले गये दूसरे एकदिवसीय मैच में सिराज कोई विकेट नहीं ले सके थे। आईसीसी की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, वह 702 रेटिंग पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर आ गये हैं, जबकि जॉश हेज़लवुड (713 पॉइंट) ने एक बार फिर शीर्ष रैंक हासिल कर ली है। न्यूजीलैंड के वामहस्त गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट (708 पॉइंट) दूसरे स्थान पर हैं। गौरतलब है कि सिराज 25 जनवरी 2023 को एकदिवसीय क्रिकेट में नंबर एक पर पहुंचे थे और कुल 56 दिन तक शीर्ष पर रहे। इसी बीच, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियम्सन ने बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। श्रीलंका के विरुद्ध दो टेस्ट मैचों में एक शतक और एक दोहरा शतक जडने के बाद उन्होंने चार पायदान की छलांग लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। विलियम्सन 883 रेटिंग पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि वह शीर्ष पर काबिज़ ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन (915 रेटिंग) से काफी दूर हैं।

ओज़िल ने फुटबॉल को अलविदा कहा

इस्तांबुल, 22 मार्च। जर्मनी की विश्व कप जीतने वाली टीम के मिडफील्डर मेसुत ओजिल ने बुधवार को 34 साल की उम्र में फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। ओजिल ने इंस्टाग्राम पर जारी बयान में कहा, "मुझे लगभग 17 वर्षों से एक पेशेवर फुटबॉल खिलाडी होने का सौभाग्य मिला है और मैं इस अवसर के लिये अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। हाल के दिनों में, मुझे कुछ चोटें लगी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि अब फुटबॉल के बडे मंच को छोडने का समय आ गया है।" रियल मैड्रिड, आर्सेनल और जर्मनी के लिये खेलने वाले ओज़िल ने अपने करियर के 645 मैचों में कुल 114 गोल और 222 असिस्ट किये।

ताइक्वाण्डो यूपी टीम घोषित

लखनऊ 22 मार्च। ओडिशा के कटक में होने वाली आगामी 36वीं राष्ट्रीय सबजूनियर और 11वीं पूमसे राष्ट्रीय सबजूनियर ताइक्वाण्डो चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की टीम की घोषणा बुधवार को की गयी। उत्तर प्रदेश ताइक्वाण्डो संघ के सचिव राजकुमार ने बताया कि 36वीं राष्ट्रीय सबजूनियर और 11वी पूमसे राष्ट्रीय सबजूनियर ताइक्वाण्डो प्रतियोगिता आगामी 25 से 27 मार्च तक कटक (ओडिशा) के जेएन इंडोर स्टेडियम में होगी। उत्तर प्रदेश सबजूनियर ताइक्वाण्डो टीम गुरुवार 23 मार्च को कानपुर सेंट्रल स्टेशन से कटक के लिए रवाना होगी।

राजस्थान ने छत्तीसगढ़ को हराया

जयपुर 22 मार्च। राजनांदगाव (छत्तीसगढ) मे आयोजित हॉकी इंडिया प्रथम वेस्टज़ॉन जूनियर 18 वर्ष प्रतियोगिता मे आज हॉकी राजस्थान पुरुष टीम ने हॉकी छत्तीसगढ़ को 2 - 1 से हराया हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत ने बताया कि राजस्थान की ओर से जीतेन्द्र सिंह एवं सुधीर ने 1-1 गोल किये। मैन ऑफ़ दा मैच का पुरुस्कार राजस्थान के गोलकीपर लविश कुमार को दिया गया। महिला वर्ग हॉकी राजस्थान टीम हॉकी छत्तीसगढ से 3 - 1 से पराजित हो गई। राजस्थान की ओर से अनामिका शर्मा ने 1 गोल किया।

किदांबी दूसरे चरण में, लक्ष्य बाहर

बासेल, 22 मार्च। अनुभवी भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने स्विस ओपन 2023 के पहले चरण में बुधवार को चीन के वेंग एच वाई को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की। किदांबी ने एक घंटे 10 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में वेंग को 21-16, 15-21, 21-18 से मात दी। विश्व नंबर 22 किदांबी को पहले गेम में आसान जीत के बाद विश्व नंबर 27 ने कडी टक्कर दी, लेकिन भारतीय शटलर ने अपने अनुभव का प्रयोग करके जीत हासिल कर ली। इसी बीच, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने पहले चरण में जीत दर्ज की, जबकि 21 वर्षीय लक्ष्य सेन को हार का सामना करना पडा।

भारत में 10 साल बाद यूरोपीय चैलेंज टूर की वापसी

बेंगलुरू, 22 मार्च। भारतीय गोल्फरों को अब यहां केजीए गोल्फ कोर्स पर लगातार दो यूरोपीय चैलेंजर टूर टूर्नामेंट खेलने का मौका मिला मिलेगा। इन दो में में से 300,000 डॉलर पुरस्कार राशि का पहला टूर्नामेंट 'डंकन टेलर ब्लैक बुल चैलेंज' गुरूवार को यहां शुरू होगा जिसमें भारत के ज्यादातर स्टार गोल्फर हिस्सा लेंगे। यूरोपीय चैलेंज टूर 10 साल बाद भारत में वापसी कर रहा है।

छह भारतीय प्री-क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ 22 मार्च।अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आईटीएफ 25 हजार डालर वर्ल्ड टूर के मुख्य दौर के मैचों में छह भारतीय खिलाड़ियों ने बुधवार को प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। लखनऊ के इकाना स्पोर्ट्स सिटी (इकाना स्टेडियम) में यूपी के सिद्धार्थ विश्वकर्मा ने भी अपने प्रतिद्वंदी रुशिल खोसला को 7-6(2),6-3 से हराया जबकि सिद्धार्थ रावत ने हमवतन इश्हाक इकबाल को हरा कर दूसरे दौर में जगह बनायी। करन सिंह ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं वरियता प्राप्त जापान के शूचि सेकीगुची को सीधे सेट में 6-3,6-4 से हराया। इसी तरह मनीष सुरेश कुमार,ऋषभ अग्रवाल ने भी दूसरे दौर में जगह बना ली है। भारत के डेविस कप खिलाड़ी और पांचवी वरीयता प्राप्त शशिकुमार मुकुंद ने नीदरलैंड्स स्टिन पेल को सीधे सेटों में 6-4,6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है।

आईटीएफ टेनिस टूर्नामेंट 24 से 27 तक जयपुर क्लब लिमिटेड में होगा आयोजन

जयपुर, 22 मार्च। रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट द्वारा जयपुर क्लब लिमिटेड में रघु सिन्हा आईटीएफ टेनिस टूर्नामेंट 2023 का आयोजन 24 से 27 मार्च तक किया जा रहा है। टूर्नामेंट का आयोजन आईटीएफ (इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन, यूके) के तत्वावधान में किया जा रहा है। इस तरह के टूर्नामेंट के आयोजन के अपने पहले प्रयास में 153 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं, जो कि एक उत्कृष्ट संख्या है।

देशभर के प्रसिद्ध खिलाडी इसमें भाग लेंगे, जिनकी आईटीएफ रैंकिंग बहुत अच्छी है। मैच जयपुर क्लब लिमिटेड द्वारा निःशुल्क प्रदान किए गए 4 क्ले कोर्ट्स पर खेले जाएंगे। यह जानकारी रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट और आयोजन समिति के चेयरमैन, सुरेंद्र गोलछा ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी।

इस अवसर पर रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी, सुधीर माथुर ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 50, 60, 65 और 70 के आयु वर्ग में 147 पुरुष प्रविष्टियां हैं। सिंगल कैटेगरी में 77 और डबल्स कैटेगरी में 70 संख्या है। एकल वर्ग में 35 और 45 के आयु समूहों में 6 महिला प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। विजेताओं को कुल 2,00,000 रुपये की पुरस्कार राशि और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। पुरुष सिंगलस विजेता को 11,000 रुपये और रनर-अप्स को 5,000 रुपये और पुरुष डबल्स विजेता को 15,000 रुपये और रनर-अप्स के लिए 8,000 रूपए की राशि। महिला सिंगल्स विजेता को 9,000 रुपये और रनर-अप्स को 4,000 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक खिलाडी को स्मृति चिन्ह दिया जाएगा और टूर्नामेंट के दौरान पूरे दिन निशुल्क नाश्ता और एनर्जी ड्रिंक्स प्रदान किए जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जॉय मुखर्जी, प्रदीप जैन, अनिल व्यास, धर्मेंद्र कामथान, संजय पाबुवाल और ललित सिंह भी उपस्थित रहे।

निशानेबाजी विश्व कप में सरबजोत ने जीता स्वर्ण

भोपाल, 22 मार्च। सरबजोत सिंह ने बुधवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की पुरुष एयर पिस्टल प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतकर आयोजन में भारत को पहला पदक दिलाया। सरबजीत ने यहां दस मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता के फाइनल में अजरबैजान के रुस्लान लुनेव को 16-0 से मात दी। सरबजीत के हमवतन वरुण तोमर ने कांस्य पदक हासिल किया।

क्वालिफिकेशन राउंड में 21 वर्षीय सरबजोत 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि चीन के लियू जिनयाओ 584 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरबजोत ने छह क्वालिफिकेशन सीरीज में 98, 97, 99, 97,97,97 के स्कोर के साथ शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया।

आईपीएल के नये नियम: टॉस के बाद अंतिम एकादश चुन सकते हैं कप्तान

नयी दिल्ली, 22 मार्च। बीसीसीआई द्वारा जारी खेलने के नये नियमों के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के कप्तान अब टॉस से पहले 'खिलाड़ियों के नाम की सूची' देने से बजाय टॉस के बाद अंतिम एकादश का चयन कर सकते हैं।

खेलने की शर्तो के अनुच्छेद 1.2.1 के अनुसार, "प्रत्येक कप्तान को टॉस के बाद अपने अंतिम 11 खिलाड़ियों और अधिकतम पांच स्थानापन्न क्षेत्ररक्षकों के नाम लिखित में आईपीएल मैच रेफरी को देने होंगे।" इसके अनुसार, "अनुच्छेद 1.2.9 के अनुसार किसी भी सदस्य (अंतिम एकादश के सदस्य) को चुने जाने के बाद और खेल शुरू होने से पहले प्रतिद्वंद्वी कप्तान की सहमति के बिना बदला नहीं जा सकता।" इसका मतलब है कि टॉस के बाद अगर किसी कप्तान को लगता है कि उसे परिस्थिति के हिसाब से अपने अंतिम एकादश में बदलाव की जरूरत है तो वह मैच शुरू होने तक ऐसा करने के लिये स्वतंत्र है। नियमों में एक अन्य बदलाव विकेटकीपर की अनुचित गतिविधि के लिये जुर्माना लगाना है, अगर वह बल्लेबाज के गेंद खेलने से पहले अपनी स्थिति में बदलाव करता है। विकेटकीपर द्वारा अनुचित गतिविधि में अंपायर इसे 'डेड' गेंद घोषित कर सकता है और दूसरे अंपायर को ऐसा करने के कारण के बारे में सूचित कर सकता है। गेंदबाज के छोर के अंपायर को फिर " 'वाइड या नो बॉल' के लिए एक रन का जुर्माना लगाना होगा और अगर उसे लगेगा तो वह बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच पेनल्टी रन भी दे सकता है। अंपायर अपनी इस कार्रवाई के कारण के बारे में क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के कप्तान को सूचित करेगा। वह बल्लेबाजों और जितना जल्दी हो सके बल्लेबाजी करने वाली टीम के कप्तान को बतायेगा।" टूर्नामेंट की समिति 'इम्पैक्ट सब्स्टीट्ययूशन' (इम्पैक्ट खिलाड़ी के स्थानापन्न) की घोषणा पहले ही कर चुकी है जिसमें एक नये खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच निर्धारित स्थानापन्न खिलाड़ियों से बदला जा सकता है।

आईपीएल टीमों से जुडने से पहले भारत की सफेद गेंद के खिलाड़ी ब्रेक लेंगे, अय्यर की होगी सर्जरी

नयी दिल्ली, 22 मार्च। भारत के जो खिलाड़ी आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला का हिस्सा हैं, उन्हें 31 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में अपनी टीमों के शिविरों से जुड़ने से पहले तीन से चार दिन का संक्षिप्त ब्रेक मिलेगा।

गत चैम्पियन गुजरात टाइटन्स और चेन्नई सुपर किंग्स अहमदाबाद में सत्र के शुरूआती मुकाबले में आमने सामने होंगे। समझा जा सकता है कि विश्व कप को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर रखी जा रही है जिससे उन्हें आराम देना सर्वोपरि है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पीटीआई से कहा, "कुछ खिलाड़ी सीधे ही आईपीएल टीमों से जुड़ सकते हैं लेकिन उनके पास तीन-चार दिन का ब्रेक लेने का विकल्प होगा ताकि वे अपनी आईपीएल टीमों से जुड़ने से पहले घर पर कुछ आराम कर सकें।"

मोबाइल पर देखकर गोल रद्द करने वाला रेफरी निलंबित

मिस्र, 22 मार्च। मिस्र फुटबॉल संघ (ईएफए) ने एक रेफरी को मोबाइल फोन पर रिप्ले देखकर गोल रद्द करने के कारण अनिश्चितकाल के लिये निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते मुंतखब अल-सुएज़ और अल-नस्त्र एफसी के बीच खेला गया मुकाबला द्वितीय श्रेणी का होने के कारण इसमें वीएआर (वीडियो रेफरी) प्रणाली का इस्तेमाल नहीं किया गया था। अल-नस्त्र को लगा कि उसने मैच के अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया है लेकिन सुएज़ ने रेफरी से हैंडबॉल का दावा किया। रेफरी ने फोन पर कुछ देर रिप्ले देखने के बाद गोल को अवैध करार दे दिया। सुएज़ ने आगे चलकर यह मैच 3-1 से जीत लिया। ईएफए ने बुधवार को एक बयान में कहा कि विटोर परेरा की अध्यक्षता वाली रेफरी समिति ने अल-नस्त्र और अल-सुएज़ मैच के रेफरियों को अनिश्चितकाल के लिये निलंबित कर दिया है।

महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत के चार पदक पक्के

नयी दिल्ली, 22 मार्च (वार्ता) निखत ज़रीन, लवलीना बोरगोहेन, नीतू घंघास और स्वीटी बूरा की दमदार चौकड़ी ने बुधवार को महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर भारत के लिये चार पदक सुनिश्चित कर लिये।

इंदिरा गांधी स्टेडियम पर जारी प्रतियोगिता में लवलीना (75 किग्रा) ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पिछले साल की कांस्य पदक विजेता मोजांबिक की रेडी ठामाने को 5-0 से हराया। निखत ने 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड की छूतामत रक्षत को 5-2 से मात दी। नीतू ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की मदोका वाडा को आरएससी (रेफरी द्वारा मैच को रोका जाना) पद्धित से हराया, जबकि स्वीटी (81 किग्रा) ने बेलारूस की विक्टोरिया केबिकावा को 5-0 की करारी शिकस्त दी। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता रक्षत ने उत्तम दर्जे का खेल दिखाते हुए निखत को कड़ी टक्कर दी। गत विश्व चैंपियन निखत इस गलाकाट प्रतियोगिता में अपनी बेहतर तकनीकी क्षमता से जीत हासिल करने में कामयाब रहीं।

निखत ने जीत के बाद कहा, "हां, आज का मुकाबला तनावपूर्ण था लेकिन मैं विभाजित निर्णय से जीती इसलिए मैं खुश हूं कि मैंने अपने देश के लिए पदक हासिल किया। आगे चलकर मैं स्वर्ण पदक भी जीतूंगा।"

उन्होंने कहा, "मेरी रणनीति आज पहले दो राउंड में जीतने की थी। मैंने दो राउंड 3:2 से जीते इसलिए अंतिम राउंड में मैंने दूर से खेलने का लक्ष्य रखा। अब तक मैंने जितनी भी बाउट खेली हैं, उनमें मुझे मुश्किल प्रतिद्वंदी मिले लेकिन मेरे लिये आगे बढ़ते रहना और उन्हें हराना एक अच्छा अनुभव रहा है। उम्मीद है कि मैं इसी तरह आगे बढ़ती रहूंगी और अपने देश के लिये लड़ूंगी।"

निखत को जहां जीत हासिल करने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ा, वहीं लवलीना, नीतू और स्वीटी ने एकतरफा मुकाबले जीतकर कांस्य पदक पक्के कर लिये। लवलीना ने अपनी जीत पर कहा, "कोचों ने मुझे बताया था कि आज कैसे खेलना है और उनकी योजना कारगर साबित हुई। मैं इस भार वर्ग में सहज महसूस करती हूं और प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन के साथ मैंने इसे अच्छी तरह से अपनाया है। आज का पदक मेरे लिये बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन मैं कांस्य पदक से संतोष नहीं करना चाहती क्योंकि यह आगामी एशियाई खेलों के लिये भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।"

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना अब सेमीफाइनल में 2018 विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता चीन की ली कियान के खिलाफ रिंग में उतरेंगी। नीतू का सामना मौजूदा एशियाई चैंपियन कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा। नीतू ने मदोका को हराने के बाद कहा, "अभी तक जो भी मुकाबले हुए हैं उनमें मैं अच्छी तरह तकनीक का इस्तेमाल कर सकी हूं। मैंने तीनों मैच आरएससी से जीते हैं। अगले मुक्केबाज पर इससे दबाव बनेगा और मुझे फायदा होगा।" उन्होंने कहा, "हमारी पूरी टीम स्वर्ण पदक का लक्ष्य लेकर आयी है। हम अपना 100 प्रतिशत देकर स्वर्ण लेकर जायेंगे। पिछली बार मैं स्वर्ण से चूक गयी थी लेकिन इस बार मैं बेहतर तैयारी करके आयी हूं। भारत में घरेलू दर्शक होने से भी फायदा है इसलिये मैं स्वर्ण को हाथ से नहीं जाने दूंगी।"

स्वीटी ने कहा, "बेलारूस की मुक्केबाज़ (विक्टोरिया) एक विश्व पदक के साथ एक बहुत अच्छी मुक्केबाज़ है और अपरकट सहित हमारी दोनों ताकतें समान हैं। मुझे पता था कि मुझे अंत तक लड़ना होगा। मैं आखिरी राउंड तक थोड़ा थक गयी थी लेकिन मेरे कोच रिंगसाइड से लगातार प्रेरित कर रहे थे। दर्शकों में मेरा परिवार भी था जिनमें से सभी को मुझसे बहुत उम्मीदें थीं। मेरी अगली बाउट निश्चित रूप से इससे बेहतर होगी क्योंकि मैं जितने मैच खेलती हूं उससे हमेशा बेहतर होती जाती हूं।" इस बीच, दो बार की विश्व चैंपियन साक्षी चौधरी (52 किग्रा), 2022 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन (57 किग्रा), जैस्मिन लम्बोरिया (60 किग्रा) और नूपुर श्योराण (81 किग्रा) अच्छा प्रयास करने के बावजूद क्वार्टर फाइनल में हार गईं।

विधायक दल की बैठक बुलाने का जोखिम नहीं लेना चाहता आलाकमान, क्योंकि 25 सितम्बर की घटना में उसकी किरकिरी हो चुकी

इसी के साथ पायलट खेमे को संतुष्ट करने के लिए नोटिस का जवाब देने वाले तीनों नेताओं पर कार्यवाही भी की जा सकती है, इस क्रम में रंधावा कई नेताओं से अकेले में बात कर चुके हैं

जयपुर, 22 मार्च (का.प्र.)। कांग्रेस आलाकमान इस समय भयभीत नजर आ रहा है। इसका कारण यह है कि सचिन पायलट ने जहां 25 सितंबर 2022 के घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस अनुशासन समिति की ओर से तीन नेताओं को दिए गए नोटिस पर कार्यवाही नहीं होने का मुद्दा उठाया है तथा पायलट खेमे के एक विधायक ने भी यही मांग उठाने के साथ विधायक दल की बैठक बुलाने की मांग की है, तो मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी इसका समर्थन किया है, लेकिन 25 सितंबर के घटनाक्रम में मात खाने के बाद अब पार्टी आलाकमान वैसा ही घटनाक्रम दोहराना नही चाहता है।

यही कारण है कि एक ओर तो कांग्रेस आलाकमान पूरे मामले को लटका कर रख रहा है, दूसरी तरफ राजस्थान में चुनावी समय नजदीक आता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस के विधायक आशंकित दिख रहे हैं कि यदि जल्दी ही इस पूरे मसले पर कोई निर्णय नहीं हुआ, तो दोनों खेमों के बीच इस अंतर्द्वंद का नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल विधायक भले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ज्यादा रहना चाह रहे हो, लेकिन अधिकांश विधायक सचिन पायलट को एडजस्ट किए जाने को लेकर भी सकारात्मक रुख दिखा रहे है, लेकिन निर्णय तो पार्टी आलाकमान को भी लेना है।

इधर एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जिस तरह से सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों ने 25 सितंबर के घटनाक्रम को लेकर फिर से चर्चा शुरू की है, वही राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा है कि विधायकों की मांग पर, जरुरत पड़ने पर वे विधायक दल की बैठक बुलाने की बात कर सकते हैं। यही कारण है कि रंधावा ने अपनी 2 दिन की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अलावा प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी सहित कई विधायकों से विधानसभा में अलग से चर्चा की है, ताकि विवादों का हल निकाला जा सके।

■ **एक सुझाव यह भी आया है कि, सचिन पायलट को पी.सी.सी. या चुनाव कैम्पेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। पर यह मान्य नहीं होगा यह दिल्ली भी जानती है। फिर क्या यह केवल भ्रमित करने की चेष्टा है।**

चर्चाओं में यह तो तय हुआ है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाए। बताया जा रहा है कि आने वाले 15 दिनों में राजस्थान में मंत्रिमंडल का फेरबदल हो सकता है, जिसमें करीब 10 मंत्रियों को सत्ता से हटाकर संगठन में भेजा जा सकता है, लेकिन असली समस्या यह है कि आखिरकार सचिन पायलट को कहां एडजस्ट किया जाए। जानकारी के अनुसार सचिन पायलट मुख्यमंत्री पद से कम पर मानने को तैयार नहीं है, लेकिन दूसरी ओर 25 सितंबर 2022 के घटनाक्रम को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान किसी भी स्थिति में फिर से वही विवाद नहीं चाहता। ऐसे में अब चर्चा यह है कि सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया जाए और यदि वे इस बात पर तैयार नहीं हो, तो उन्हें 2023 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कैंपेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। यदि सचिन पायलट इन दोनों में से किसी एक पद पर आ जाते हैं, तो वे टिकट बंटवारे में अपनी राय जाहिर कर पाएंगे और यदि उन्हें कोई पद नहीं मिल पाता है, तो फिर वह टिकट बंटवारे में अपनी राय नहीं रख पाएंगे। इसीलिए उनके विधायकों को और समर्थकों को यह आशंका सता रही है कि कहीं उनके टिकट न काट दिए जाएं। इसी के साथ 25 सितंबर वाले मामले में तीनों नेताओं पर कार्यवाही कर दी जाए। इससे भी पायलट खेमे को खुश किया जा सकता है।

कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बदलाव को लेकर तो तैयार है, लेकिन चुनाव से 6 महीने पहले मुख्यमंत्री बदलने के लिए एक बार फिर विधायक दल की बैठक बुलाने को तैयार नहीं है। इसका कारण यही बताया जा रहा है कि जिस तरह का घटनाक्रम 25 सितंबर 2022 को हुआ, उसमें आलाकमान की किरकिरी हुई थी। उस घटनाक्रम के गवाह खुद मल्लिकार्जुन खड़गे हैं जो कांग्रेस अध्यक्ष बन चुके है। ऐसे में उन्हें राजस्थान की स्थितियों का भी पता है कि यदि अब उसी तरह का विवाद छिड़ा, तो चुनावी वर्ष में गलत संदेश जा सकता है। ऐसे में विधायक दल की बैठक बुलाने को लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा बयान दे रहे हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नजर नहीं आ रहा है।

अब महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादा दिन तक अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच का विवाद अब नहीं खींचा जा सकता। ऐसे में अब देखना यह है कि पार्टी आलाकमान किस तरह से सचिन पायलट खेमे को चुनाव से पहले संतुष्ट करेगा, क्योंकि यह बात पार्टी आलाकमान और पार्टी के विधायक अच्छी तरह जानते हैं कि सचिन पायलट को यदि चुनाव तक इसी स्थिति में रखा गया, तो पार्टी को इसका बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कर्नाटक में भाजपा का एक और कद्दावर नेता कांग्रेस में शामिल

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के लिए स्थिति खुशनुमा नहीं है। ए.आई.सी.सी. अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार की उपस्थिति में बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। इस स्थिति में कोई अच्छी बात है तो वह यह कि चुनावों की घोषणा से ठीक पहले भाजपा नेता का कांग्रेस में शामिल होना विपक्षी पार्टी (कांग्रेस) के लिए उत्साहजनक है जो कि चुनाव प्रचार में ऊर्जा और आक्रामकता दिखा रही है।

कोली-कब्बालिगा समुदाय के एक प्रमुख नेता का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा के लिए एक करारा झटका है क्योंकि उसे इसकी उम्मीद ना के बराबर थी। सोमवार को यह सार्वजनिक हो गया कि भाजपा के लोग पार्टी छोड़ रहे हैं और बताया जाता है कि उनका रूख कांग्रेस की ओर है। बाबूराव के लिए यह एक तरह से घर वापसी जैसा था क्योंकि चुनाव हारने के बाद वर्ष 2018 में वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। वह इससे पहले सिद्धारमैय्या सरकार में मंत्री थे।लेकिन, भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने गुलबर्गा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में खड़गे को हराने में प्रमुख भूमिका निभाई और अब अपनी पैतृक पार्टी में उनकी वापसी को विधानसभा चुनावों से पूर्व पार्टी को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। यह आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान बनने वाली स्थिति के लिए एक संकेत भी है। कांग्रेस ने देश के अन्य भागों के विपरीत कर्नाटक में भाजपा खेमे में जा चुके अपने नेताओं की घर वापसी कराने में सफलता अर्जित की है। कुछ हफ्ते पूर्व भाजपा विधायक दल के सदस्य पुट्टन्ना भी भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

■ **कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़ने का सिलसिला और तेज हो गया है। भाजपा के बाबूराव चिंचान्सुर कांग्रेस में लौट आए। गौरतलब है कि, बाबूराव ने गत आम चुनाव में खड़गे को हराने में भाजपा की मदद की थी।**

'मोदी सिर्फ एक ही पार्टी के प्र.मंत्री लगते हैं तथा राहुल गांधी पढ़े-लिखे व समझदार हैं'

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि, लोकतंत्र का मतलब सिर्फ मतदान नहीं होता इसका मतलब है स्वतंत्रता सभी संस्थानों की, विश्वविद्यालयों की और पुलिस की भी

नई दिल्ली, 22 मार्च। एक प्रमुख न्यूज चैनल इंडिया टीवी के साथ खास बातचीत में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपनी हालिया लंदन यात्रा के दौरान भारतीय लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी, कैसे भारत में संस्थानों पर कब्जा किया जा रहा है और देश में वर्तमान सरकार पर उनके विचार के बारे में बात की। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे जाने-माने राजनेताओं के परिवार से आते हैं और राहुल की वंशावली है, इसलिए स्वाभाविक रूप से उन्हें बहुत ध्यान मिलता है। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष में राहुल गांधी ही एकमात्र राष्ट्रीय नेता हैं और बाकी सब मुख्य रूप से स्थानीय नेता हैं क्योंकि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है।

सरकार के इस आरोप का जवाब देते हुए कि राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र पर अपनी टिप्पणी से देश का अपमान किया, सैम पित्रोदा ने कहा कि वे उनकी (राहुल) टिप्पणी पर रक्षात्मक नहीं होने जा रहे हैं। सच्चाई को बाहर आने की जरूरत है। इस वैश्विक युग में आप कुछ भी नहीं छिपा सकते... इसलिए आप क्या और कहां कहते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आप जो भी कहते हैं वह वैश्विक हो जाता है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि लोकतंत्र स्वतंत्रता, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पुलिस में स्वतंत्रता के बारे में है और यह केवल मतदान के बारे में नहीं है बेशक यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकतंत्र वैश्विक जनता की भलाई के लिए है और भारतीय लोकतंत्र दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें 140 करोड़ लोग हैं। पित्रोदा ने कहा कि दुनिया को भारत के लोकतंत्र पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि यह वर्तमान में दबाव में है संस्थानों पर कब्जा कर लिया गया है झूठ का प्रचार किया जा रहा है।

आगे राहुल गांधी की विभिन्न टिप्पणियों पर बोलते हुए, सैम पित्रोदा ने कहा कि अगर राहुल गांधी कुछ भी कहते हैं कई मंत्री, और मुट्ठी भर टीवी चैनल उनके पीछे होंगे न्यायपालिका से समझौता किया जा रहा है विश्वविद्यालय सहित संस्थान कमजोर हो गए हैं, झूठ फैलाया जा रहा है और इसे सुलझाना लोगों पर निर्भर है।

पीएम मोदी के बारे में बात करते हुए, सैम पित्रोदा ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब आप सरकार में आते हैं, तो आप केवल 30-40 प्रतिशत लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं, जिन्होंने आपको वोट दिया, बल्कि आप सभी के लिए एक प्रधानमंत्री हैं। सैम पित्रोदा ने आगे कहा कि अगर वह (पीएम मोदी) केवल एक समूह के हित के लिए काम करते हैं तो वह राष्ट्रीय प्रधानमंत्री नहीं हैं वह एक पार्टी के पीएम हैं। हंगरी-अमेरिकी व्यवसायी जॉर्ज सोरोस पर बोलते हुए सैम पित्रोदा ने कहा कि वह (सोरोस) उन लोकतंत्रों में निवेश करने में विश्वास करते हैं जो उनके लोकतंत्र के दृष्टिकोण के अनुसार काम कर रहे हैं ।

भारत ने पलटवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर टिप्पणी करने से बचने की कोशिश की है।

भारत ने ऐसा कदम अंतिम बार 2013 में तब उठाया था, और अमेरिकन दूतावास के बाहर सुरक्षा बैरिकेड्स हटा दिये गये थे। यह कार्यवाही अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागे की "बॉडी सर्च" तथा गिरफ्तारी के प्रतिकार स्वरूप की गई थी। ज्ञातव्य है कि देवयानी पर कथित रूप से वीज़ा-फ्रॉड तथा भारत के एक घरेलू नौकर के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप थे।

10 साल पुराने इस खोबरागे प्रकरण के दौरान, भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में कटौती कर दी थी तथा अमेरिका ने कानून-निर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को भी भारत के शीर्ष अधिकारियों से नहीं मिलने दिया गया था। इस समय, भारत सरकार इस दिशा में बढ़ती प्रतीत नहीं हो रही है। बुधवार को, अक्षय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने तो डिपार्टमैन्ट ऑफ एनर्जी सिक्योरिटी एंड नैट ज़ीरो के ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मीटिंग तक की। जहाँ तक ब्रिटिश सरकार का प्रश्न है, उसने लंदन में "इंडिया हाउस" के आस-पास के इलाके में सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी है। इसी बीच, भारतीय उच्चायोग ऐसी "जवाबी भ्रामक सूचना" देने की कोशिश कर रहा है कि "पंजाब सरकार राज्य में भेदभावपूर्ण कार्यवाही कर रही है", जैसा कि पृथकतावादी ग्रुप "वारिस पंजाब दे" ने आरोप लगाया है। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोर्रे स्वामी ने ट्विटर पर पोस्ट डाली है, "मैं ब्रिटेन में रह रहे अपने मित्रों तथा खासतौर से पंजाब के भाई-बहिनों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सोशल मीडिया पर फैलाये जा रहे इन सनसनीखेज झूठों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने "वारिस पंजाब दे" के उन तत्वों के खिलाफ कार्यवाही शुरु की है, जिनके खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं, खासतौर से अमृतपाल सिंह, जो इस संगठन का प्रमुख है। उन्होंने सिख समुदाय को आश्वस्त किया कि गिरफ्तार किये गये सभी लोगों के लिये कानूनी बचाव के संवैधानिक अधिकारों को संरक्षित रखा जायेगा। उन्होंने दोहराया कि राज्य में सभी संचार सेवाएं, जिनमें मोबाइल टेलीफोन नैटवर्क तथा इन्टरनैट शामिल है, बहाल कर दी गई हैं तथा काम कर रही हैं।

मैरिटल रेप अपराध है या नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। सुप्रीम कोर्ट वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण पर 9 मई को सुनवाई करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 11 मई को दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में एक विभाजित फैसला दिया था।

सीनियर एडवोकेट इंदिरा जयसिंह ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी. वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक बैंच के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने बैंच को बताया कि इस केस के क्रमिक तर्क और सामान्य संकलन तैयार हैं। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केन्द्र सरकार का जवाब तैयार है और उसका सूक्ष्म परीक्षण किया जाना है।

■ **सुप्रीम कोर्ट इस केस पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है और मामले पर 9 मई को सुनवाई होगी।**

बैंच ने कहा कि "केस को 9 मई 2023 के लिए लिस्ट किया जाए।"

शीर्ष अदालत ने वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण से संबंधित दायर कई याचिकाओं पर 16 जनवरी को केन्द्र सरकार से प्रत्युत्तर देने को कहा था।

सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए सी.जे.आई., डी. वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच को बताया कि इस मुद्दे के कानूनी के साथ ही सामाजिक मायने हैं और सरकार याचिकाओं के लिए अपना जवाब प्रस्तुत करना चाहेगी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण 50 इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं

इस्लामाबाद, 22 मार्च (वार्ता)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण जानमाल को काफी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रांत में मंगलवार को आये तेज भूकंप के झटकों के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और 44 अन्य घायल हो गये। अफगानिस्तान में भी भूकम्प से 4 लोगों की मौत हो गई तथा 80 अन्य लोग घायल भी हुये हैं।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल बासित ने बुधवार को स्थानीय मीडिया को बताया कि भूकंप से कम से कम 19 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

रावलपिंडी, इस्लामाबाद, मनसेहरा, एबटाबाद, मुजफ्फराबाद, पेशावर, हरिपुर, मर्दन, चित्राल, चारसद्दा और अन्य सहित देश के उत्तरी हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये गये थे।

■ **पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत हो गई तथा करीब 125 लोग घायल हुये हैं।**

स्थानीय मीडिया के अनुसार पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गए, हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसके अलावा लाहौर, मुल्तान, फैसलाबाद, मुजफ्फरगढ़, साहीवाल, ओकारा और अन्य शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केन्द्र हिंदुकुश क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान के जुर्म शहर के पास 187 किलोमीटर गहराई में स्थित था। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने भूकंप की तीव्रता 6.8, जबकि अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 6.5 बताई है।

डॉन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गये।

आंध्र में मु.मंत्री व पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बीच ही है, जो हमेशा की तरह राज्य विधानसभा की कार्यवाही में बाधाएँ डालती रही है। मंगलवार को, "ग्लोबल इन्वैस्टर्स समिट इन्वैस्टमेन्ट्स- स्किल डवलपमैन्ट फॉर यूथ- एम्प्लॉयमैन्ट" पर राज्य विधानसभा में एक अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुये, मुख्यमंत्री रेड्डी ने पहली बार एक कथित स्किल डवलपमैन्ट घोटाले में सीधे ही नायडू का नाम लिया तथा उन पर पूरे पैसे को अप्रत्यक्ष रूप से बेनामी खातों में पहुँचा देने का आरोप लगाया।

नायडू के शासनकाल की फाइलें देखकर पता चलता है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव तथा प्रधान वित्त सचिव पर एक स्किल डवलपमैन्ट प्रोग्राम को प्रोत्साहित करने के लिये दबाव डाला था तथा एक इकरारनामा करने के मामले में सारे नियम-कायदे ताक पर रख दिये गये थे। रेड्डी ने नायडू तथा उनकी सरकार हमला करते हुये, सीमेन्स की एक अंदरूनी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसने कथित रूप से घोटाले का सहारा लिया था।

रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री नायडू पर सीधा हमला, जिसका उद्देश्य उन्हें भ्रष्टाचार के मूल स्रोत के रूप में प्रस्तुत करना था, करते हुये कहा, "विद्यार्थियों के कौशल विकास के नाम पर, तेलुगू देशम पार्टी प्रमुख ने राजकोष को जमकर लूटा। 371 करोड़ रू. की राशि शैल कंपनियों के जरिये कहीं से कहीं पहुँचा दी गई।"

जगन मोहन रेड्डी ने आगे कहा, "मिस्टर चन्द्राबाबू नायडू मुख्यमंत्री के रूप में अपने अधिकार का दुरुपयोग करने के दोषी हैं। उनके मंत्रिमण्छल ने कहा कुछ था लेकिन वास्तविकता में किया कुछ और ही था। यह घोटाला आंध्र प्रदेश से शुरु होकर, विदेशों तक फैल गया था। उसके बाद, पूरा पैसा शैल कंपनियों के माध्यम से विदेशों से उनके खातों में आ गया था। स्किल डवलपमैंट प्रोग्राम में अनेक अनियमितओं का हवाला देते हुये, मुख्यमंत्री ने कहा कि न तो डी.पी.आर. तैयार की गई थी, न प्रोजैक्ट का सत्यापन किया गया था और न निविदाएँ आमंत्रित की गई थीं। फिर भी सरकार जिसके प्रमुख नायडू थे, ने एग्रीमैंट कर लिया था तथा प्रोजैक्ट के लिये पैसा जारी कर दिया था।

तमिलनाडू की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 4 की मौत

चेन्नई, 22 मार्च (वार्ता)। तमिलनाडु में कांचीपुरम जिला के कुरुविमलाई गांव में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से बुधवार को कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक लोग घायल हो गये। पुलिस मुख्यालय में से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस घटना में चार लोगों की मौत हुए हैं। मृतकों में पटाखा फैक्ट्री का मालिक सुदर्शन (31) भी शामिल है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कांचीपुरम के सरकारी अस्पताल में भेज दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।

■ **इस हादसे में कम से कम 20 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

खाली हाथ लौटे चीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। चीन के राष्ट्रपति के प्रस्ताव एक शुरुआती विफलता बनकर रह गए और केवल रूस ने ही एक बयान जारी किया कि चीन के पेपर ने शांति का एक मार्ग उपलब्ध करवाया है। चीन के पेपर में ना तो यूक्रेन में रूस की कार्यवाही की भर्त्सना की गई यहां तक कि उसकी कार्यवाही को आक्रमण अथवा युद्ध तक नहीं माना गया।

शी के मॉस्को दौरे के बाद यूक्रेन में शांति स्थापना एक दूर की कौड़ी प्रतीत हुआ। पश्चिमी कूटनीतिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि शी का मॉस्को दौरा पश्चिमी देशों और उनकी प्रकट लोकतांत्रिक एवं उदार अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विरोध में रूस-चीन संबंधों को मजबूत करने के लिए था और इन दोनों नेताओं ने पश्चिमी व्यवस्था के स्थान पर अपना अधिनायकवादी वैश्विक दृष्टिकोण थोपना चाहा। नि:संदेह, शी जिनपिंग का तीन दिवसीय मॉस्को दौरा आर्थिक सहयोग के कई समझौतों और रूस-चीन धुरी को मजबूती प्रदान करने के साथ सम्पन्न हुआ। दोनों परम मित्रों का मानना था कि यूरोप में नाटो के आक्रामक इरादों ने रूस एवं यूक्रेन पर युद्ध थोपा है। दोनों ने महसूस किया कि पश्चिमी देश अब लगातार अपना प्रभुत्व बढ़ाकर रूस और चीन को कमजोर करना चाहते हैं। तथापि, रूस के कई विशेषज्ञों और समीक्षकों तक का यह मानना है कि चीन का केवल एक ही मित्र हो सकता है, और वह है खुद चीन। उसका कूटनीतिक इरादा स्वयं के संकीर्ण उद्देश्यों को आगे बढ़ाना और अपने देश का भला करना है। चीन के कोई सैद्धांतिक व अन्य स्थायी विचार नहीं हैं।

'क्रूड ऑयल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़कर अब 15.8 रू. लीटर हो गई है।"

उन्होंने कहा कि पिछले 305 दिनों में, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 16.75 रू. लीटर की कमी आई है लेकिन इसका लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिला। उन्होंने कहा, "ईंधन की बदलती हुई कीमतों की गति एक ही दिशा में रहती है? अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, पैट्रोल और डीज़ल की कीमतें रात के 12 बजे बढ़ जाती हैं, लेकिन जब ये कीमतें गिर रही हैं तथा पिछले 305 दिनों में, कच्चे तेल की कीमतें 16.75 रू. लीटर गिर गई हैं तो इसका लाभ अंतिम उपभोक्ताओं को क्यों नहीं दिया जा रहा?"

गौरव ने उन प्राइवेट रिफाइनर्स की सूची की माँग की, जिन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदा था तथा पूछा कि उन्होंने यह किस भाव में खरीदा था। मीडिया रिपोर्टों का कहना है कि उन रिफायनर्स को कच्चा तेल बहुत रियायती दरों पर मिला था। उन्होंने इस तेल को रिफाइन किया वापस यूरोपीय देशों को निर्यात कर दिया तथा भारी लाभ कमाया। उन्होंने कहा कि जहाँ तक सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों का संबंध है, उन्हें केवल 2 डॉलर/बैरल ही मिले।

'मैंने कभी लंदन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वह अडानी का बचाव क्यों कर रहे हैं और उनकी जांच के लिए जे.पी.सी. के गठन की विपक्ष की मांग पर संसद की कार्यवाही तक अवरूद्ध की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जे.पी.सी. की हमारी मांग जारी रहेगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता अमिताभ दुबे का भी परिचय करवाया जो मोदी से प्रतिदिन पूछे जाने वाले तीन प्रश्न तैयार करते रहे हैं।

जयराम ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी से अब तक 99 प्रश्न पूछ चुके हैं और इनका समापन प्रश्न संख्या 100 से किया गया है। "हम इस शृंखला को मोदी से यह अंतिम प्रश्न पूछकर खत्म करते हैं कि क्या आप अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली तमाम जांच एजेंसियों का उपयोग कर राष्ट्रीय हित में काम करेंगे।"

राहुल ने कहा कि मीडिया को यह पूछना चाहिए कि अडानी में ऐसा क्या है जो पूरी सरकार उनका बचाव कर रही है और संसद को नहीं चलने दे रही। उन्होंने कहा कि जे.पी.सी. में भाजपा का बहुमत होगा और उसका चेयरमैन भी भाजपा से ही होगा, लेकिन विपक्ष फिर भी सरकार को कटघरे में खड़ा करेगा। जयराम ने कांग्रेस शासन के दौरान वर्ष 1992 और फिर वर्ष 2001 में जे.पी.सी. गठित किए जो का उदाहरण दिया। दोनों बार शेयर बाजार के घोटालों को लेकर जे.पी.सी. गठित की गई थी।

जयराम ने इस पर भी जोर दिया कि राहुल से क्षमा मांगने की मांग और अडानी के वित्तीय घोटालों के बीच कोई लिंक नहीं है।

राहुल के विदेश में दिए गए भाषणों को भाजपा द्वारा विकृत रूप दिए जाने को कांग्रेस स्वीकार नहीं करेगी और ना ही वह अडानी के मुद्दे को डायवर्ट करने की अनुमति देगी।

'जिले गठन के लिए वैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है'

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, जिले गठन के लिए लैण्ड रैवेन्यू एक्ट 1956 लागू होता है, लेकिन इसकी जरा भी पालना नहीं हुई है

जयपुर, 22 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, जन आक्रोश अभियान के दूसरे चरण में राजस्थान के प्रत्येक जिले में 16 मार्च से अप्रैल मध्य तक जन आक्रोश घेराव किया जाएगा, जिसमें किसान कर्ज़ माफी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध इत्यादि जनहित के मुद्दों को उठाया जाएगा और कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट का भाजपा द्वारा घेराव किया जाएगा।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, राजस्थान में सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार से जनता तंग आ चुकी है, कांग्रेस सरकार जनहित को ध्यान में नहीं रखती और अपने मनमाने तरीके से कार्य कर रही है। किसी भी जब तक सीमा तय नहीं होती, तब तक किसी भी क्षेत्र को नहीं बनाया जाता, लेकिन यहां तो कांग्रेस सरकार सिर्फ लोक-लुभावन घोषणाए करने में लगी हुई है, कांग्रेस को ना जनता की और ना ही नियमों की परवाह है, एक ओर जहां स्थानीय कांग्रेसी नेता त्यागपत्र का नाटक करते है, वहीं दूसरी आलाकमान इस पर चुप्पी साधे बैठे हुए है।

राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने 19 नए जिलों का गठन किया है, जो कि राम लुभाया रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने राजनीति प्रशासनिक दृष्टि से नियमों को पूरा नहीं करते हुए कार्य किया है। लैण्ड रेवेन्यु एक्ट 1956 के अनुसार सरकार को जिला बनाने का अधिकार तो है लेकिन सीमाओं का निर्धारण आवश्यक है। राठौड़ ने कहा कि, सीमाओं का निर्धारण जब हुआ ही नहीं तो जिलों की घोषणा कैसे की जा सकती है, सीमाओं का निर्धारण नहीं होने के कारण असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसका उदाहरण कुचामन-डीडवाना में से जिला किसको बनाया जाए? अब राजस्थान का पर्यटक पूछता है कि राजस्थान की राजधानी कौनसे जिले में है, दूदू और खेडली को ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बना दिया, तहसील से उपखंड बनते देखा, लेकिन ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बनना कांग्रेस की किस भावना को दर्शाता है। जबकि 7 ऐसे शहर हैं जो जिले की मांग को लेकर पिछले 4-5 दिनों से बंद चल रहे है और कांग्रेस द्वारा नियमों के विपरीत 5 पंचायतें भी बना दी गई हैं, जो नियम के विरूद्ध हैं। अब भाजपा का जनहित में लगातार संघर्ष जारी रहेगा।

■ **राठौड़ ने कहा, कांग्रेस के मंत्री व विधायकों की धमकियों के चलते की गई नए जिलों की घोषणा।**

■ **उन्होंने यह भी कहा कि, भाजपा डॉक्टरों से अपील करती है कि, लोगों की जिन्दगी बड़ी अनमोल है, मरीजों का ईलाज जारी रखना चाहिए।**

राठौड़ ने कहा कि, चिकित्सा के क्षेत्र में पूर्व में चल रही चिरंजीवी योजना के 60 प्रतिशत क्लेम प्राइवेट अस्पतालों में होते है, जो अधिकांश बंद हैं, राजस्थान में आज अराजकता का माहौल बना हुआ है, राज्य में जितने भी नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, उनमें निरीक्षण के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही है, चिरंजीवी योजना के नाम पर राजस्थान में भ्रष्टाचार-हेराफेरी हो रही है। मैं राजस्थान सरकार से अपील करता हूं कि यदि अस्पताल 1 घंटा भी बंद रहता है तो कई जिंदगियां जा सकती है, कांग्रेस सरकार को चिकित्सा कर्मियों से संवेदनशीलता के साथ बात करनी चाहिए। यदि सरकार चिकित्सकों के साथ बबर्रतापूर्वक व्यवहार करेगी तो भाजपा चिकित्साकर्मियों का निश्चित रूप से सहयोग करेगी। हम डॉक्टरों से भी अपील करते है कि जिंदगी बड़ी अनमोल है, मरीजों का ईलाज जारी रखना चाहिए। राजस्थान सरकार निश्चित ही पूर्ण रूप से फेल हो चुकी है, जहां ब्लड बैंक से कुत्ते खून पी जाते हैं, किसानों की जमीने नीलाम हो जाती हैं, मुख्यमंत्री जीपीएफ लागू करने की घोषणा करते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और ही दिखाई दे रही है, राजस्थान में कांग्रेस सरकार की कथनी और करनी में बहुत ही अंतर है, राजस्थान सरकार में पूर्व में हुई घोषणाएं अभी तक पूरी नहीं हुई और मुख्यमंत्री ने कहा था रिफाइनरी को अक्टूबर तक पूरा कर दिया जाएगा, लेकिन अभी भी कार्य ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है।

राठौड़ ने कहा कि, राजस्थान में कांग्रेस सरकार अब इस हद तक गिर चुकी है कि जिन वीर सैनिकों ने देश के लिए जान न्यौछावर करदी, ऐसे सैनिकों की वीरांगनाओं द्वारा जब मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखती है तो वीरांगनाओं को चोटी पकड़ कर खींचा जाता है। अब इसका जवाब तो कांग्रेस सरकार को जनता ही देगी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, जिलास्तर पर होने वाला जन आक्रोश घेराव भरतपुर में 16 मार्च को हो चुका है और अन्य सभी जिलों की रूपरेखा बनकर तैयार है। प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी, मीडिया पैनेलिस्ट सुरेश गर्ग भी मौजूद रहें।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600